Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 155 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 07 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

धर्म का अनुभव किये बिना व्यक्ति धर्मात्मा नहीं बन सकता है।

One can't become areligious person without experiencing religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

## संक्षिप्त समाचार

### 20 बिस्तरीय आईसोलेशन वार्ड का लोकार्पण एवं भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ

**रायपुर (विसं)।** प्रभारी मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकत्सालय जीपीएम में 20 बिस्तरीय आईसोलेशन सह पीडियाट्रिक वार्ड का लोकार्पण और भारतीय जन औषधि केन्द्र का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती के 47 विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु आदेश पत्र दिए। उन्होंने सभी लोगों को भारत को टी. बी. मुक्त बनाने की शपथ भी दिलाई।

### कांकेर में दो लघु सिंचाई योजना के कार्यो के लिए 7.51 करोड़ रूपए स्वीकृत

**रायपुर (विसं)।** राज्य शासन ने कांकेर जिले की दो लघु सिंचाई योजनाओं के विभिन्न कार्यों के लिए 7 करोड़ 51 लाख 18 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। स्वीकृत कार्य में विकासखंड कोयलीबेड़ा के बड़ेझारकट्टा एनीकट कम काजवे निर्माण कार्य के लिए तीन करोड़ 70 लाख 5 हजार रूपए तथा विकासखंड नरहरपुर के सिहारी नाला तालाब के शीर्ष एवं नहर के कार्यों के लिए 3 करोड़ 81 लाख 13 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से लघु सिंचाई योजनाओं के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

**मुख्यमंत्री साय के सुशासन में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक और बड़ा कदम**

## 700 बिस्तरीय एकीकृत नवीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए 231 करोड़ रुपए का ई-टेंडर सीजीएमएससी ने किया जारी

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के रूप में तरक्की और सुशासन का ये सफर लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में रायपुर के मेकाहारा में बढ़ते मरीजों का दबाव कम करने के लिए परिसर में 700 बिस्तरीय एकीकृत नवीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के बजट में मेकाहारा परिसर में 700 नवीन एकीकृत अस्पताल का प्रावधान किया था जिसके निर्माण की प्रक्रिया अब शुरू कर दी गयी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में इलाज के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सके इसके लिए लगातार पूंजीगत व्यय के निर्णय लिए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और नई सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रहे है।

**डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर परिसर (मेकाहारा) में होगा निर्माण**

मेकाहारा परिसर में 700 बिस्तरीय नवीन एकीकृत अस्पताल भवन के लिए 231 करोड़ रूपए के ई-टेंडर जारी होने पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का इजाफा करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होने कहा है कि इस एकीकृत अस्पताल के निर्माण से मेकाहारा अस्पताल के अतिरिक्त भी लोगों के पास सर्वसुविधा वाला अस्पताल रहेगा। इसमें रायपुर सहित सम्पूर्ण प्रदेश के लोगों को इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और लोगों को ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। ई टेंडर के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी सीजीएमएससी की वेबसाइट www.cgmsc.gov.in पर 10 दिसंबर से उपलब्ध रहेगी। इसके लिए प्री-बिड मीटिंग 19 दिसंबर को सीजीएमएससी मुख्यालय में सुबह 11 बजे होगी। आनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तारीख 2 जनवरी 2025 तक होगी और 6 जनवरी 2025 को यह टेंडर खुलेगा।

## पुलिस कर्मियों के कल्याण हेतु छत्तीसगढ़ सरकार की ऐतिहासिक पहल, 8 बैंकों के साथ सैलरी पैकेज के लिए हुआ समझौता

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 8 प्रमुख बैंकों के साथ पुलिस सैलरी पैकेज के तहत समझौता (एमओयू) किया है। इस समझौते में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, कैनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और आईडीबीआई बैंक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस पहल को पुलिस कर्मियों के लिए सुरक्षा और सहयोग का एक मजबूत आधार बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता पुलिस विभाग के कर्मचारियों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

**पुलिस कर्मियों के लिए आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का बनेगा मजबूत आधार: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय**

उन्होंने कहा कि यह समझौता न केवल पुलिस कर्मियों को आर्थिक रूप से सशक्त करेगा, बल्कि उनके परिवारों की आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। यह पहल छत्तीसगढ़ सरकार की सुशासन और पारदर्शिता की नीति को और मजबूत करेगी और पुलिस कर्मियों के कार्यक्षमता और मनोबल में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने इस पहल को पुलिस विभाग के कल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को यह स्वतंत्रता दी गई है कि वे अपनी सुविधा और आवश्यकता के अनुसार किसी भी बैंक में सैलरी खाता खोल सकते हैं। इसके लिए किसी भी प्रकार की बाध्यता या अतिरिक्त शुल्क नहीं होगा। सभी बैंकों से प्राप्त प्रस्ताव पुलिस इकाइयों को भेजे जाएंगे ताकि पुलिस कर्मी अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सबसे उपयुक्त बैंक का चयन कर सकें। यह समझौता पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए कई लाभ प्रदान करेगा।

## बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली ( विश्व परिवार )।** बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर रेल भवन में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने डॉ. अंबेडकर ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने अपने सोशल हैंडल एक्स पर लिखा कि पिछड़ों और वंचितों के उत्थान के लिए संकल्पित बाबासाहेब अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर सादर नमन। अश्विनी वैष्णव के बाद रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने भी बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करने इस मौके पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

## राज्यसभा में सीट नंबर 222 से मिली 500 रुपये के नोटों की गड्डी, सदन में हंगामा

**नई दिल्ली ( आरएनएस )।** राज्यसभा में शुक्रवार को चेकिंग के दौरान 500 रुपये के नोटों का बंडल प्राप्त हुआ। यह जानकारी राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को दी।

सभापति ने बताया कि गुरुवार को सदन की कार्रवाई स्थगित होने के बाद एंटी सबोटाज की टीम सदन में रूटीन चेकिंग पर थी। इसी दौरान चेकिंग कर रही टीम को 500 रुपये के नोटों का बंडल मिला। सभापति ने बताया कि यह बंडल सीट नंबर 222 से प्राप्त हुआ। सभापति के मुताबिक यह सीट राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है।

सभापति के मुताबिक अभी तक इन नोटों की दावेदारी किसी भी सदस्य द्वारा नहीं की गई है। मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। सभापति ने बताया कि यह मामला उनके नोटिस में लाया गया, इसके बाद उन्होंने सुनिश्चित किया कि तय नियमों के तहत इस पूरे मामले की जांच हो और जांच शुरू भी हो गई है।

सभापति ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि इन नोटों की दावेदारी के लिए कोई आएगा, लेकिन शुक्रवार सुबह तक कोई नहीं आया। अभी यह भी नहीं मालूम है कि यह नोट असली हैं या नकली। फिलहाल मामले की जांच चल रही है। सभापति ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया और कहा कि किसी को भी इस मामले की जांच का विरोध नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही सभापति ने यह भी बताया कि संबंधित सदस्य के इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड बताते हैं कि उन्होंने सदन में गुरुवार को अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

सभापति द्वारा यह जानकारी दिए जाने के बाद सदन में जमकर हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर के सांसद इस विषय पर बोलना चाहते थे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनका एक निवेदन है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, जब तक सच का पता नहीं लग जाता, तब तक किसी का नाम नहीं लेना चाहिए।

## जन्म से अधूरे अब हुए पूरे : डॉ. सुमनता शेखर पाधी

**रायपुर (विश्व परिवार)।** आज हम आपको एक ऐसी अनोखी आपबीती के बारे बताने जा रहे हैं, जिसमें एक 54 वर्षीय व्यक्ति को जन्म से ही दिल की बीमारी थी।

श्रीमान एक्स, 54 वर्ष के, हमारे हृदय रोग ओपीडी में आए थे। उन्हें उच्च रक्तचाप की समस्या थी और कई दवाइयां ले रहे थे। इससे पहले, तीन अलग-अलग जगहों पर उनका इलाज हुआ था और उन्हें रक्तचाप कम करने वाली दवाएं दी गई थीं। लेकिन इन दवाओं से कोई फायदा नहीं हुआ। तब जाकर गहन जांच की गई। इस उम्र में, बिना पूरी जांच के यह पता लगाना मुश्किल था कि समस्या दिल की जन्मजात बीमारी की वजह से है।

उन्होंने इकोकार्डियोग्राफी और सीटी एंजियोग्राफी करवाई थी। जांच में पता चला कि दिल के बायें हिस्से से निकलने वाली मुख्य रक्त वाहिनी (थोरेसिक एओर्टा) बहुत गंभीर रूप से ब्लॉक हो गई थी। इतना कि समय के साथ यह सीने के स्तर पर कट गई थी। दोनों हिस्से एक-दूसरे से पूरी तरह से अलग हो गए थे। शरीर के निचले हिस्से में खून की सप्लाई कुछ छोटी-छोटी नई रक्त वाहिनियों (कोलेटरल्स) के जरिए हो रही थी, जो सिर और हाथों की रक्त वाहिनियों से निकलकर कटी हुई एओर्टा से जुड़ गई थीं। लेकिन इस स्थिति में, कटे हुए हिस्से के ऊपर वाली एओर्टा में बहुत ज्यादा दबाव पड़ रहा था, जो इन कोलेटरल्स में खून पहुंचाने का मुख्य स्रोत थी। इसके साथ ही बढ़ती उम्र के साथ उच्च रक्तचाप की समस्या भी बढ़ गई थी, जिसकी वजह से मरीज को सिरदर्द, दिल की धड़कन बढ़ने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही थीं।

हालांकि, बीमारी का पता चलने के बावजूद, हमारे अस्पताल के अलावा किसी और अस्पताल ने उन्हें ठीक करने का कोई निश्चित इलाज नहीं दिया। इस उम्र में ओपन सर्जरी का खतरा बहुत ज्यादा था, जिसमें शरीर के निचले हिस्से में पक्षाघात का खतरा होता है। इसलिए, कैथेटर इंटरवेंशन के जरिए एओर्टा को जोड़ने का फैसला लिया गया। 1 नवंबर 2024 को मरीज का सफलतापूर्वक स्टेंटिंग किया गया और कटी हुई आर्च सेगमेंट को खोला गया। इसके बाद, उनके रक्तचाप को नियंत्रित करना आसान हो गया और उच्च दबाव के तहत काम कर रहे दिल को भी राहत मिली। आमतौर पर, इस तरह की रुकावट का पता नवजात शिशुओं में जन्म के एक महीने के भीतर ही लग जाता है और सर्जरी की जरूरत होती है। कैथ लैब में सबसे मुश्किल और जोखिम भरा काम था दोनों हिस्सों को फिर से जोड़ना। यह एक उच्च जोखिम वाली प्रक्रिया थी, जिसे हमारी कार्डियोलॉजी टीम (डॉ. सुमनता शेखर पाधी, डॉ. किंजल बख्शी, डॉ. राकेश चंद) ने सफलतापूर्वक पूरा किया। कैथ लैब टेक्नोलॉजिस्ट्स, नर्सिंग स्टाफ और कार्डियक आईसीयू की डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने भी इस प्रयास को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमारे ज्ञान के अनुसार, छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में इस तरह की प्रक्रिया अब तक नहीं की गई है। अस्पताल के सुविधा निदेशक अजीत कुमार बेल्लमकोंडा ने कार्डियोलॉजी विभाग को इस जटिल प्रक्रिया की सफलता के लिए बधाई दी और प्रोत्साहित किया। यह एक बहुत ही दुर्लभ और असामान्य मामला है, जो रायपुर, छत्तीसगढ़ में किया गया है।

### एमएमआई नारायणा अस्पताल के बारे में

एमएमआई नारायणा अस्पताल, रायपुर अगस्त 2011 में अस्तित्व में आया, जब मौजूदा 56 बेड वाले अस्पताल को 157 बेड वाले अस्पताल में बदल दिया गया, जो अत्याधुनिक उपकरणों, सुविधाओं, नवीनतम ऑपरेशन थिएटरों और चिकित्सा विशेषज्ञता से सुसज्जित है। आज, अस्पताल 250 बेड की क्षमता के साथ मध्य भारत का एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान बन गया है और कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, सामान्य और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, ऑन्कोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में व्यापक और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल का भवन क्षेत्र लगभग 1.26 लाख वर्ग फुट है और यह 3 एकड़ के परिसर में फैला हुआ है। रायपुर शहर के मध्य भाग में स्थित, यह अस्पताल रोगियों के लिए त्वरित स्वस्थ होने के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है।

## मोपका अस्पताल में बनाए जा रहे आयुष्मान वय वंदना कार्ड

**बलौदाबाजार (विश्व परिवार)।** जिला बलौदाबाजार अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोपका में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी के निर्देश पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र माहेश्वरी के मार्गदर्शन में आयुष्मान वय वंदना कार्ड प्रात: 10 बजे से प्रति कार्यालयीन दिवस पर बनाए जा रहे हैं प्रभारी अधिकारी डॉ आलोक तिवारी ने बताया कि 70 वर्ष एवं अधिक से उम्र के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड इस योजना के अंतर्गत बनाया जा रहा है। सरकारी वन इजी अस्पतालों में 5 लाख तक मुफ्त उपचार के लिए 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को केवाईसी करा कर नया आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा कार्ड नहीं बनने पर सरकारी व निजी अस्पताल राशन कार्ड के प्रकार के अनुसार पुरानी लिमिट में ही इलाज की सुविधा देंगे बीपीएल कार्ड होने पर उनके सहित पूरे परिवार को 5 लाख और एपीएल कार्ड होने पर 50000 तक के इलाज की सुविधा मिलेगी केवाईसी करने पर 70 वर्ष से अधिक बुजुर्गों का अलग से स्मार्ट कार्ड जनरेट हो जाएगा इस कार्ड से वह किसी भी पंजीकृत निजी अस्पताल एवं शासकीय अस्पतालों में 5 लाख तक स्वयं का इलाज कर पाएंगे नई स्कीम क्योंकि आधार नंबर बेस स्कीम है इसलिए इसमें राशन कार्ड की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

## वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय में एक दिवसीय गोलमेज़ सम्मेलन का आयोजन

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण संचालित किया जाता है। इसके अंतर्गत चयनित औद्योगिक इकाईयों द्वारा निर्धारित विवरणी भरकर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय को प्रस्तुत की जाती है। इन औद्योगिक इकाइयों एवं संगठनों को वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के महत्व एवं नीति निर्माण में इसकी उपयोगिता के प्रति संवेदनशीलता जागृत करने हेतु राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा आज, मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल, न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइंस, रायपुर में एक दिवसीय गोलमेज़ सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर ने की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत श्री आर.के. श्रीवास्तव, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी/ कार्यालयाध्यक्ष, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक एवं श्री अमर परवानी, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, छत्तीसगढ़ द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर ने वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम 2008 एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियम 2011 के अनुसार राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा प्रति वर्ष यह सर्वेक्षण संचालित किया जाता है। इसके अतर्गत औद्योगिक इकाइयों से संदर्भ अवधि के दौरान पूंजी, टर्न ओवर, मूल्य वर्धन, ईंधन व कच्चा माल तथा इनपुट-आउटपुट आदि से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े संग्रहित किए जाते हैं। इसके अलावा रोजगार, कार्य दिवसों की संख्या एवं सामाजिक सुरक्षा लाभ संबंधी आंकड़े भी एकत्रित किए जाते हैं। प्राप्त आंकड़ों का उपयोग राष्ट्रीय आय के अनुमान एवं सकल घरेलू उत्पाद के आकलन और विभिन्न प्रकार के नीति नियोजन हेतु किया जाता है। श्री अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक ने उपस्थित औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों से समस्त जानकारी विवरणी में स्वत: भरकर वेब पोर्टल पर प्रस्तुत करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित उद्यम प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे सही आंकडे प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारियों से आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अमर परवानी, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, छत्तीसगढ़ ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र हित के इस महत्वपूर्ण कार्य में समस्त औद्योगिक इकाइयों को अपना योगदान देते हुए सर्वेक्षण से संबन्धित समस्त जानकारी निर्धारित समय के अंदर प्रस्तुत करना चाहिए जिससे न केवल प्रदेश बल्कि सम्पूर्ण देश की औद्योगिक प्रगति के लिए नीतियाँ बनाने हेतु महत्वपूर्ण आंकड़े समय पर प्राप्त हो सकें।

## आड़ावाल में 9 दिसम्बर को होगा प्लेसमेंट कैम्प

**जगदलपुर (विश्व परिवार)।** जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र आड़ावाल जगदलपुर में 09 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे से सांयकाल 04 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। इस प्लेसमेंट कैम्प में भारतीय जीवन बीमा निगम जगदलपुर द्वारा कुल 70 पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। जिसके तहत बीमा सखी केवल महिलाओं के लिए 50 पदों हेतु 10 वीं उत्तीर्ण सहित आयु न्यूनतम 18 वर्ष तथा बीमा सलाहकार 20 पदों के लिए 10 वीं, 12 वीं या स्नातक सहित आयु न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। दोनों के लिए कार्य स्थल जगदलपुर निर्धारित है। इन पदों पर सेवा करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त दस्तावेजों यथा अंकसूची, आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो एवं फोटोयुक्त पासबुक के साथ 09 दिसम्बर को उक्त प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते हैं।

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

**नामांतरण प्रकरण क्र. 593 दिनांक 06.12.2024**
**वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड**
**वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 238 युआईडी 16813** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुनऊ राम / गैन्दूराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **परस राम यादव / स्व. पुनऊ यादव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

**नामांतरण प्रकरण क्र. 594 दिनांक 06.12.2024**
**वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड**
**वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 238 युआईडी 16813** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुनऊ राम / गैन्दूराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **दुलारी यादव / स्व. पुनऊ यादव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

**नामांतरण प्रकरण क्र. 595 दिनांक 06.12.2024**
**वार्ड का नाम- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड**
**वार्ड क्र. 12 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **12** मांग **पंजी क्र. 699 युआईडी 32716** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रोहन सखुजा / राजेन्द्र सखुजा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **गुलाम रसूल / स्व. नूरहसन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर (छ.ग.)**

### दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
**अनारक्षित टिकटों के लिए पैसेंजर हॉल्ट एजेंट**

**निविदा सं.: 2024/सी./को./पै.हा/II/आर.**
**दिनांक: 25.11.2024**

**कार्य का नाम:** अनारक्षित टिकिट जारी करने के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे - रायपुर मंडल के अंतर्गत **नवा रायपुर-मंदिर हसौद - केन्द्री, सी.बी.ड़ी एंव फेयर ग्राउंड पैसेन्जर हॉल्ट एंव रायपुर-बिलासपुर खंड में बैकुण्ड पैसेन्जर हॉल्ट एंव दुर्ग-दल्ली राजहरा - रावघाट लाईन खण्ड में भैंसबोड पैसेंजर हॉल्ट** में एजेंट की नियुक्ति बाबत।
**आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक **07.01.2025** समय **15.00** बजे तक, **आवेदन पेटी को खोलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक **07.01.2025** समय **15.30** बजे। आवेदन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / द.पू.म. रेल्वे रायपुर को संबोधित सीलबंद लिफाफे में रख कर वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय संकुल, द.पू.म. रेलवे, वाल्टेयर लेवल क्रॉसिंग गेट के निकट, आरवीएच कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में इस प्रयोजन हेतु रखी आवेदन पेटी में **07.01.2025** समय **15.00** बजे तक डाला जाना चाहिए। उपरोक्त कार्य की अधिक जानकारी, पात्रता मानदंड व पूर्ण विवरण के लिए कृपया सीनियर डीसीएम/एसईसीआर/रायपुर कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in पर आवेदन दस्तावेजदेखें/डाउनलोड करें।

**मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),**
PR/R/Sr.DCM/FL/177 **द.पू.म. रेलवे, रायपुर**
South East Central Railway @secrail

### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर**
**प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27**
**नवा रायपुर, अटल नगर फोन नं.-0771-4016094**
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल

**// आम-सूचना //**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायें गये आबंटियों को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण द्वारा आबंटित भू- खण्ड/भवन को फ्री होल्ड के निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

| क्र. | आबंटी का नाम | पिता / पति का नाम | कॉलोनी का नाम | भू-खण्ड/भवन क्रमांक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | श्रीमती ममता शर्मा | श्री संतोष कुमार वर्मा | सेक्टर -27 नवा रायपुर अटल नगर | पी 2 ए - 299 |
| 2 | श्री गोलापुरी सुर्य प्रसाद | स्व. श्री जी. एस. मुर्ति | -----तदैव--- | पी 2 बी - 351 |
| 3 | श्री दीपेन्द्र सिंग एवं श्री दीपक सिंग | स्व. आर. ए. सिंह | -----तदैव--- | पी 3 डी - 147 |
| 4 | श्री शिरीष चन्द्र अग्रवाल एवं श्रीमती गीता अग्रवाल | स्व. श्री किशन किशोर गुप्ता एवं श्री शिरीष चन्द्र अग्रवाल | -----तदैव--- | एफ 3 ए-26 /102 |
| 5 | श्री संतोख सिंह बैस | स्व. श्री करतार सिंह | -----तदैव--- | एफ 3 ए-26 /302 |
| 6 | श्री कनक राजु | स्व. श्री कृष्णमूर्ति राजु | -----तदैव--- | एफ 2 ए-34 /102 |
| 7 | श्रीमती चन्द्रकांता राठौर | स्व. श्री राम कुमार राठौर | -----तदैव--- | एफ 2 ए-35 /203 |
| 8 | श्री वाय. रामेश्वर राव | स्व. श्री वाय. आदिनारायण | -----तदैव--- | एफ 1 सी-06 /605 |

**सम्पदा अधिकारी**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना**
**नवा रायपुर, अटल नगर**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
## निविदा आमंत्रण सूचना

**क्रमांक 31/लो.क.वि./न.पा.नि. जोन क्र. 02/2024** **रायपुर, दिनांक 06/12/2024**

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्न प्रस्तावित कार्य हेतु समय श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति में कम/अधिक दर एस.ओ.आर. में लिफाफा "अ" में सीलबंद निविदायें तथा लिफाफा "ब" में एफ.डी.आर. आमंत्रित की जाती है। इस हेतु कोरा नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्न प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति में निविदा प्रपत्र दिनांक 23.12.2024 को संख्या 4.00 बजे तक निर्धारित राशि जमा कर प्राप्त की जा सकती है। निथिवा प्रपत्र दिनांक 27.12.2024 को सध्या 4.00 बजे तक पंजीकृत डाक से जोन क्रमांक के एक निर्धारिका आएगा। प्राप्त समस्त निविदायें उसी दिवस की संख्या 5.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष घोली जायेगी निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।
कार्य का विवरण निम्नानुसार है

| क्र. | कार्य का विवरण | आगणित राशि रू. (लाख में) | अमानती राशि | समयावधि | मद का नाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | फाफाडीह एक्सप्रेसवे के नीचे निर्माण एवं विकास कार्य। | 15.63 | 16000=00 | 04 माह | सामान्य मद |
| 2 | शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्र. 28 अंतर्गत देवेन्द्र नगर से.- 01 भारती जैन गली में सी.सी. कव्हर्ड नाली एवं रोड वाईडिंग कार्य। | 10.37 | 11000=00 | 03 माह | सामान्य मद |
| 3 | शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्र. 28 अंतर्गत शारदा होटल से सुब्बाराव हास्पिटल तक सी.सी. कव्हर्ड नाली निर्माण कार्य। | 3.54 | 4000=00 | 02 माह | सामान्य मद |
| 4 | दानवीर भामाशाह वार्ड क्र. 26 अंतर्गत शशीबाला स्कूल मतदान केन्द्र कक्ष में फॉल सिलिंग एवं विद्युतीकरण कार्य। | 2.98 | 3000-00 | 01 माह | साधारण मद |
| 5 | दानवीर भामाशाह वार्ड क्र. 26 अंतर्गत तुलसी नगर में 80 एम.एम. जी.आई. पाईप लाईन बिछाने का कार्य। | 2.81 | 3000-00 | 01 माह | सामान्य मद |
| 6 | जोन क्र. 2 अंतर्गत विभिन्न वार्डों में चेम्बर संधारण | 2.75 | 3000=00 | 01 माह | साधारण मद |
| 7 | इंदिरा गांधी वार्ड क्र. 27 अंतर्गत आर.डी.ए. बिल्डिंग के पास जीव्हीपी सौन्दर्याकरण कार्य । | 1.30 | 2000=00 | 01 माह | साधारण मद |

1. निविदा संबंधी अन्य शर्ते एवं जानकारियों जोन क्र. 02 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, शहीद स्मारक स्कूल परिसर, बीएसएनएल ऑफिस के पास, के.के. रोड, रायपुर से कार्यालय अवधि/दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

**घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें**

**जोन आयुक्त**
**जोन क्र. 02**
**नगर पालिक निगम, रायपुर**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
**शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर**
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

**पत्र क्र./16164/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024**
**रायपुर, दिनांक 06-12-2024**

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र.** 16164
**वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **10** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227C00242** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SATYANARAYAN SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. MOHAN LAL SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री शांतिलाल संचेती पिता - श्री गुलाबचंद संचेती** पिता/पति श्री/श्रीमती **2. श्रीमती चंदा देवी संचेती पति - श्री शांतिलाल संचेती** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री विवेकानंद दुबे**
**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्रं.- (3)**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
**शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर**
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

**पत्र क्र./16110/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024**
**रायपुर, दिनांक 06-12-2024**

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र.** 16110
**वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **29** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330F00125** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. SHANTI BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O AAJURAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती द्रोपत्ती निर्मलकर** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति श्री चेतन कुमार निर्मलकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री विवेकानंद दुबे**
**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्रं.- (3)**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
**शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर**
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

**पत्र क्र./16187/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024**
**रायपुर, दिनांक 06-12-2024**

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र.** 16187
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00254** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEVAK RAM VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MANARAKHAN VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती निर्मला वर्मा पति - स्व. श्री सेवक राम वर्मा** पिता/पति श्री/श्रीमती **2. सुरेन्द्र कु. वर्मा 3. ममता वर्मा 4. जीतेन्द्र कु . वर्मा 5. उमाबाई वर्मा - सभी के पिता - स्व. श्री सेवक राम वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री विवेकानंद दुबे**
**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्रं.- (3)**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
**शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर**
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

**पत्र क्र./16243/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024**
**रायपुर, दिनांक 06-12-2024**

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र.** 16243
**वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **29** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334E00329** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAROJANI CHAUDHARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O CHANDULAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री खेमा सागर हियाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - श्री संतान हियाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री विवेकानंद दुबे**
**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्रं.- (3)**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
**आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर**
Email ID - rmczone6@gmail.com

**पत्र क्रं./14080/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024**
**रायपुर दिनांक : 29-11-2024**

**इश्तिहार**

**नामांतरण प्र.क्र.** 14080
**वार्ड का नाम- 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **61** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663Q00202** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BAJAJ TOWNSHIP PRAIVET L.M.D. FROM DAIRECTOR MUKESH BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY BAJAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रशीला बेन कट्टा** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. दिनेश भाई कट्टा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्रं. - 6**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर**
email Id- eocghbzone1@gmail.com

***आम-सूचना***

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में स्थित व्यवसायिक भूखण्ड **श्री दिलशाद अहमद पिता श्री इरशाद अहमद** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 09.02.2016** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 22.11.2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन **श्रीमती निशा उपाध्याय पति श्री राजेन्द्र उपाध्याय** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01**
**कबीर नगर, रायपुर**

### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर**
email Id- eocghbzone1@gmail.com

***आम-सूचना***

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन **क्रमांक एल.आई.जी.-24/282, प्रथम तल** में **श्री गणेश प्रसाद सोनी पिता स्व. श्री मदन लाल सोनी** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 24.09.2013** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 02.12.2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट/भवन **श्री बोनू परदासाराधी पिता श्री बोनू तिरूपथी राव** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आगसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01**
**कबीर नगर, रायपुर**

### कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

**नामांतरण प्रकरण क्र. 596 दिनांक 06.12.2024**
**वार्ड का नाम- भारत माता वार्ड**
**वार्ड क्र. 30 वर्ष- 2024-25**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **30** मांग **पंजी क्र. 93 युआईडी 26821** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मोहम्मद इम्तियाज / मोहम्मद बसीर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **शाहिद अख्तर/ अब्दुल सुबहान** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-01-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

**राजस्व अधिकारी**
**नगर पालिक निगम, बीरगांव**
**जिला-रायपुर (छ.ग.)**

# सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुर में ढाई वर्षों बाद जीवनदीप समिति की बैठक

### कई महत्वपूर्ण लिए गए निर्णय

**गोपाल सिंह विद्रोही**

**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)**-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुर में आज जीवनदीप समिति की बैठक सूरजपुर के नवपदस्थ अनुविभागीय अधिकारी शिवानी जयसवाल की उपस्थित में संपन्न हुई। कार्यक्रम से पूर्व विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। संस्था के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार भगत ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं पुष्पहार से आत्मीय स्वागत किया।

जीवनदीप समिति के सदस्यों के समक्ष सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रदीप भगत ने चिकित्सालय से संबंधित 16 मांगे प्रस्तुत की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जीवनदीप समिति के सदस्यों से कहां की चिकित्सालय के सुचारू रूप से संचालन हेतु 16 मांगे जो रखी गई है बहुत ही आवश्यक है। डॉक्टर भगत की प्रस्तुत मांगों पर जीवनदीप समिति ने अति आवश्यक मांगों में अस्पताल परिसर के मुख्य गेट के सामने स्लीपिंग कार्य तथा पीछे गेट पर स्टील रैंप का कार्य कराए जाने, गर्म एवं ठंडा पानी हेतु वाटर कूलर लगाए जाने, पोस्टमार्टम कक्ष का मरम्मत कार्य करने, जीवनदीप समिति में पदस्थ सफाई कर्मचारियों का 5000 रु से बढ़ा कर 6 000 वृद्धि करने, ओपीडी एवं स्मार्ट कार्ड, ब्लॉकिंग ओपीडी पर्ची बनाने ऑपरेटर रखे जाने ,पोषण पोषण पूर्णमास केंद्र में भर्ती बच्चों के मनोरंजन खिलौने तथा गार्डन झूला ,फिसल पट्टी लगाने, अस्पताल परिसर में वाहनों को उचित तरीके से पार्किंग किए जाने हेतु बेरिकेट लगाने , आवश्यक सामग्री क्रय करने, मरम्मत एवं रखरखाव के संबंध में आवश्यक इमरजेंसी दवाइयां क्रय करने पर अपनी सहमति दी तथा चिकित्सकों की नियुक्ति पर शासन से चर्चा करने की बात कही गई। जीवनदीप समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार अशोक गुप्ता, ललित गोयल, सीती कांत स्वाई , जानू बग्गा, मनी बग्गा,अमरलाल साहू, विनय पांडेय, राम लाल सोनी आदि सदस्यों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा रखे गए प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की।

यहां बताना आवश्यक है कि जीवनदीप समिति विश्रामपुर में 2023 -24 में 1341890रु कि आय एवं 13, 22617रु खर्च हुआ है इसी प्रकार वर्ष 2024 से नवंबर 24 तक आय 93 7647 रु की आमदनी एवं 117206 की खर्च हुई है। आज के बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुरेश वर्मा ,खंड लेखा प्रबंधक संतु कुमार कर ,खंड डाटा प्रबंधक अमरेश पैकरा,खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अमित भगत, लैब टेक्नीशियन मनोज लहरे, आशीष शुक्ला सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

**नव पदार्थ एसडीम शिवानी जायसवाल ने पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया-** सूरजपुर एसडीम शिवानी जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों एवं उसके अभिभावकों से मिली तथा मिलने वाले आहार पर चर्चा की। मरीज से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

# आपको भी मिलेगा दूसरा मौका, देश के विकास में बने भागीदार-कलेक्टर

### कलेक्टर ने स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन दिवस पर बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे, बच्चों ने किया अनुभव साझा

**रायगढ़(विश्व परिवार)।** कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल आज पंजरी प्लांट स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में आयोजित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन दिवस में पहुंचे। कलेक्टर श्री गोयल ने प्रशिक्षण में सफल बच्चों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। इस दौरान बच्चों ने अपने प्रशिक्षण के अनुभव को साझा किए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एल.आर.कच्छप, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री प्रकाश पटेल, बाल कल्याण समिति के सदस्य श्री लक्ष्मी पटेल, जिंदल फाउंडेशन से श्री ऋषिकेश शर्मा, श्री आलोक झा, प्रशिक्षक श्री हिमांशु त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने बच्चों से कहा कि आपको इलेक्ट्रिकल का प्रैक्टिकल करवाया गया है। जो बेसिक है लेकिन आप अगर इसमें अपनी लगन बनाए रखेंगे तो निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में आगे बेहतर कर सकते है। इस स्किल को अपने और परिवार के लिए रोजगार के रूप में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जीवन का सफर बहुत लंबा है, अभी आप जहां है, इसके बाद भी बहुत समय है। जीवन में हर किसी को दूसरा मौका मिलता है, आपको भी मिलेगा, जो मौका मिलेगा उसका बेहतर उपयोग करना है और अपने अच्छे कार्यों से देश के विकास में भागीदार भी बनना है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एल.आर.कच्छप ने बताया कि वर्तमान बाल संप्रेक्षण गृह में 23 बच्चे है। जिनके लिए पर्याप्त सुविधाएं है, वहीं 23 बच्चों में से 21 बच्चों का आधार कार्ड तथा 15 बच्चों का आयुष्मान कार्ड बन चुका है। शेष बच्चों का विभागीय समन्वय कर अतिशीघ्र बनाया जाएगा। कलेक्टर श्री गोयल ने बाल संप्रेक्षण गृह का अवलोकन करते हुए मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने लाइब्रेरी, मनोरंजन कक्ष, शयन कक्ष सभी को देखा।

# सीआईएसएफने मिलेट्स उत्पाद को बढ़ावा देने मिलेट्स मेले का आयोजन किया

**कोरबा(विश्व परिवार)।** दिनांक 04.12.30 को सीआईएसएफयूनिट, केएसटीपीपी कोरबा द्वारा मिलेट्स मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआईएसएफ यूनिट, केएसटीपीपी कोरबा के प्रभारी कमाण्डेंट श्री राजीव कुल्हरी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर एवं उच्च मुख्यालय के आदेशानुसार केऔसुब कोरबा को मिलेट्स मेले में अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए अपनी इकाई के कर्मियों और आस-पास के क्षेत्र व प्रबंधन अधिकारियों के बीच मिलेट्स की खपत को बढ़ावा देने एवं भोजन में 30-35: मिलेट्स शामिल करने की गृह मंत्रालय की पहल के हिस्से के रूप में पौष्टिक और ऊर्जा से भरपूर खाद्य विकल्प के रूप में मिलेट्स के लाभों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ किया गया। इस दौरान उप कमाण्डेंट श्री कुमार पुरुषोत्तम, सहायक कमाण्डेंटध्अग्नि श्री अशोक प्रसाद उपस्थित रहे। मेले के दौरान मिलेट्स के लगभग 10 से अधिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। डपससमजे क्ढें, चांवकं, त्हप ेंदहंजप ूपजी चंददमत, ।चचम, संनाप ।प ।ममत, बाजरे के आटे का ढोकला, जवार के आटे की पूरी, लिटी चोखा, पकौड़ी, हल्वा आदि। इकाई की महिला संरक्षिका सदस्यों द्वारा मिलेट्स मेले में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें कच्चे मिलेट्स अनाज, रेडी-टू-कुक (आरटीसी) आइटम और रेडी-टू-ईट (आरटीई) उत्पाद शामिल हैं। विभिन्न व्यंजनों में मिलेट्स की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए लाइव कुकिंग काउंटर भी लगाये गए । मेले में केएसटीपीपी कोरबा के अधिकारीगण, बल सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगो ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा व्यंजनों की जमकर तारीफकी।

# नए शिक्षा सत्र में शिक्षकों, बच्चों को करनी होगी कड़ी मेहनत: शिक्षाविद् रामचंद्र शर्मा

**रायगढ़,(विश्व परिवार)।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति और (एनईपी) 2020 लागू करने के तथा छत्तीसगढ़ में स्कूली और उच्च शिक्षा में कई बदलाव किए जा रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी और स्थानीय बोलियों पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत आदिवासी क्षेत्र के बच्चे स्थानीय बोली जैसे हल्बी, गोड़ी आदि में पढ़ाई करेंगे। जानकारी के अनुसार इसके लिए विषय विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। जिनके द्वारा अगले कुछ दिनों में पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली जाएगी पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद उसे पढ़ाई का हिस्सा बनाया जाएगा। कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी और छठवीं में नए विषय जुड़ रहे हैं तीसरी में अब बच्चे 4 की जगह 6 विषय पढ़ेंगे। वहीं छठवीं के छात्रों को 6 की जगह 9 विषय पढ़ाये जाएंगे। जबकि छठवीं में आठ फिजिकल एजुकेशन और रेगुलेशन कोर्स शामिल किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार एनसीईआरटी ने स्कूली पाठ्यक्रम में बदलाव किए हैं। उसी के तहत यहां भी नए विषय में शामिल किया गया है। इस संबंध में रायगढ़ के शिक्षाविद रामचंद्र शर्मा ने बताया कि अधिकारियों के मुताबिक अगले शिक्षा सत्र में स्कूली और उच्च शिक्षा में नए पाठ्यक्रम लागू हो जाएंगे। नए पाठ्यक्रम लागू होने से स्कूल के बच्चे और शिक्षकों को शिक्षा क्षेत्र में और अधिक मेहनत करनी होगी। पाठ्यक्रम में बदलाव होने से शिक्षक और छात्रों के चेतना पर असर पड़ेगा। शिक्षाविद रामचन्द्र शर्मा ने कहा पाठ्यक्रम में बदलाव से स्कूली बच्चों के बौद्धिक विकास की संभावनाएं अधिक बढ़ जाएंगे।

# महिला एवं बाल विकास विभाग मिशन वात्सल्य: ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को दे रहे मजबूती

**कवर्धा(विश्व परिवार)।** महिला एवं बाल विकास विभाग के मिशन वात्सल्य की टीम बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। बोड़ला विकासखंड के विभिन्न गांवों, धान संग्रहण केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर लोगों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों और इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन और जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी सत्यनारायण राठौर के नेतृत्व में इस अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। जागरूकता टीम द्वारा बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत, वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और वधू की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित है। इसके उल्लंघन पर दोषी को 2 वर्ष तक की कठोर कारावास या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। यह भी बताया गया कि बाल विवाह में मदद करने वाले व्यक्तियों पर भी समान दंड का प्रावधान है। बाल विवाह बालिका और समाज के लिए बहुत गंभीर माना गया है। अभियान के दौरान यह बताया गया कि बाल विवाह न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करता है, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी बाधित करता है। इसे समाप्त करने के लिए समाज, कानून और प्रशासनिक प्रयासों के साथ-साथ लोगों को इस कुप्रथा के दुष्परिणामों को समझाना बेहद जरूरी है। भारत के प्रधानमंत्री ने 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने 10 मार्च 2024 को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को प्रोत्साहन दिया। मिशन वात्सल्य के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 टीम द्वारा गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों, संस्थानों और समुदायों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी सत्यनारायण राठौर के साथ, राजाराम चंद्रवंशी, विभा बक्शी, अविनाश ठाकुर, सुरेश साहू, परमेश्वरी धुर्वे और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

# पंडो जनजाति के उत्थान हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए शिविरों का आयोजन

**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार )** छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों में पंडो जनजाति का नाम प्रमुखता से आता है। यह जनजाति राज्य के दूर-दराज इलाकों में निवास करती है, जहां मूलभूत सुविधाओं का आभाव और शासन की योजनाओं तक पहुंच की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। इस समस्या का समाधान करने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पंडो जनजाति को मूलभूत सुविधाओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन संपूर्णता अभियान के तहत प्रत्येक बुधवार को किया जा रहा है, जो कि उनकी विकास यात्रा में एक निर्णायक पहल साबित हो रही है।

इन शिविरों के आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का समर्पण और दृष्टिकोण को देखा जा सकता है। वे सदैव समाज के सबसे पिछड़े और हाशिए पर खड़े समुदायों के विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उनकी यह मान्यता है कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सुविधा मिलनी चाहिए, चाहे वह किसी भी भौगोलिक स्थिति में क्यों न हो। इसी आधार पर उनके द्वारा पंडो जनजाति जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने के लिए उनके द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि इन समुदायों का समुचित विकास हो सके और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके। इसी क्रम में पंडो जनजाति के विकास की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए जिले के विभिन्न ग्राम पंचायत भवनों में विशेष शिविरों का आयोजन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि पंडो जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं का संपूर्ण लाभ पहुंचाया जा सके। इन विशेष शिविरों का आयोजन इनके विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। विशेष शिविरों के द्वारा इस जनजाति के प्रत्येक परिवार को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन 18 दिसंबर 2024 तक जिले के विभिन्न ग्राम पंचायत भवनों में किया जाएगा। इसके तहत हर परिवार का सर्वेक्षण

कर पंडो परिवार की जानकारी एकत्रित कर उनकी आवश्यकता और उपलब्ध सुविधाओं का आकलन के बाद, संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इन पंडो परिवारों को मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करने के लिए शिविरों का रोस्टर और कार्ययोजना बनाई गई है। रोस्टर के अनुसार, प्रत्येक गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें तिथियों का निर्धारण कर जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शिविरों के सफल क्रियान्वयन के लिए, कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। सभी विभाग के अधिकारियों द्वारा अद्यतन जानकारी परियोजना प्रशासक व एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना सूरजपुर को उपलब्ध कराई जाती है। इस वर्ग के विकास के लिए जिला प्रशासन, जनपद पंचायत, और आदिवासी विकास परियोजना के अधिकारी समन्वय में कार्य कर रहे हैं। हर विभाग के अधिकारी को अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विकास की यह प्रक्रिया निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके।

इस पहल से इस आदिवासी वर्ग के जीवन स्तर में निरंतर सुधार आ रहा है। शिविरों के आयोजन से पंडो जनजाति को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास और आर्थिक सहायता की योजनाओं का लाभ विशेष शिविरों के माध्यम से उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इन शिविरों में जिन योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है, उनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पंडो जनजाति के परिवारों को पक्के मकान, स्वास्थ्य बीमा, मुफ्त गैस कनेक्शन, शौचालय निर्माण और सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन एवं प्रशासन के इस प्रयास की सराहना पंडो जनजाति और स्थानीय समुदाय के लोगों द्वारा निरंतर की जा रही है। पहले जहां इन जनजातियों को मूलभूत सुविधाओं की कमी और योजनाओं से वंचित रहने की शिकायत थी, वहीं अब इन शिविरों के माध्यम से उन्हें उनका हक मिल रहा है। कई पंडो परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए हैं कि कैसे इन योजनाओं के कारण उनके जीवन में बदलाव आया है।

इस योजना के संबंध में एक स्थानीय पंडो निवासी, रामेश्वर पंडो, ने बताया, पहले हमें शासन की योजनाओं के बारे में बेहतर रूप में जानकारी नहीं मिल पाती थी, और न ही हमें पूरी तरह से उनको लाभ मिल पाता था। लेकिन अब विशेष शिविरों के माध्यम से हमें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारे परिवार को आवास योजना का लाभ मिला है, और हमें स्वास्थ्य बीमा भी मिला है। इससे हमारे जीवन में काफी सुधार हुआ है।

गौरतलब है कि इस संपूर्णता अभियान अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर, भैयाथान, ओडगी और प्रतापपुर के ग्रामों में निवासरत विषेष पिछड़ी जनजाति पंडो को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने एवं संतृप्तिकरण प्राप्त करने की दिशा में निरंतर शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### प्रभाती देवी नहीं रही नगर में शोक

**बिश्रामपुर (दैनिक विश्व परिवार)**- एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के सेवानिवृत कॉलरी कर्मचारी स्व राघव प्रसाद का 82 वर्षीया धर्मपत्नी प्रभाती देवी का आज दुखद निधन हो गया जिससे विश्रामपुर कोयलांचल में शोक का वातावरण निर्मित हो गया । प्रभाती देवी का आज रिंहद नदी के तट स्थित मुक्तिधाम में छोटा पुत्र एवं रेहर खदान में सीनियर ओवर मैन के पद पर कार्यरत संतोष श्रीवास्तव ने मुखाग्नि दी। स्वर्गीय प्रभावती देवी सप्लायर अभय कुमार श्रीवास्तव के भी माता श्री थी।

### महंगई धान खरीदी केंद्र पहुंचें जिलाधीश, धान की गुणवत्ता, तौल और भराई की ली जायजा

**सूरजपुर ब्यूरो ( दैनिक विश्व परिवार )**-कलेक्टर एस जयवर्धन ने आज प्रेमनगर विकासखंड अंतर्गत धान खरीदी केंद्र महंगई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी, धान की गुणवत्ता, तौल व भराई की लिया जायजा। उन्होंने धान बेचने आए कृषक बंधुओं से व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया और समिति के प्रबंधक को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर ने किसानों को माईक्रो एटीएम के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपकी सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्र में माईक्रो एटीएम उपलब्ध है जिससे आप दस हजार की राशि निकाल सकते है। उन्होंने खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उपस्थित संबंधितों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसानों में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और सुविधाओं पर किसी तरह की भ्रम की स्थिति ना हो। उन्होंने धान खरीदी में किसी भी लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धान खरीदी में शासन के निर्देशानुसार सभी व्यवस्था करते हुए धान खरीदी कार्य सुचारु रूप से संपन्न करने के निर्देश दिए।

### हसदेव नदी और जंगल बचाने निकाली गई पदयात्रा

**कोरबा(विश्व परिवार)।** हसदेव नदी और इससे लगे जंगल को बचाने के लिए हसदेव बचाओ पदयात्रा शुरू हो गयी है। यह यात्रा रविवार को 10 बजे ग्राम खहरिया से शुरू हुई। ग्राम के लोग इसमें शामिल हो एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। इस यात्रा में किसान महासभा और भू-विस्थापित किसान संघ के पदाधिकारी भी शामिल हो रहे हैं। किसान सभा की ओर से बताया गया है कि उक्त यात्रा बिलासपुर के नेहरू चैक से 24 नवंबर को शुरू हुई थी। यात्रा का यह आठवां दिन है। इस दिन यात्रा में शामिल लोग एसईसीएल की कोयला खदान से प्रभावित ग्राम खहरिया में रूके। रात भर यहां ठहरने के बाद यात्रा आगे के लिए रवाना हुई। संघ की ओर से बताया गया है कि यात्रा में शामिल लोग पैदल चल रहे हैं। यात्रा सर्वमंगला मंदिर होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर के रास्ते सीएसईबी चैक पहुंचेगी। समिति हसदेव नदी बचाओ यात्रा में शामिल होने के लिए लोगों को अपने साथ जोड़ रही है। गौरतलब है कि किसान सभा के बैनर तले कोयला खदान से प्रभावित ग्रामीण एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इसमें सबसे प्रमुख मांग खदान प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य के साथ-साथ प्रभावित लोगों के लिए रोजगार व पुनर्वास बड़ा मामला है। ग्रामीण पूर्व में अधिग्रहित की गई उस जमीन को भी वापस करने की मांग कर रहे हैं जिसका अभी तक कोयला कंपनी की ओर से इस्तेमाल नहीं किया गया है और इसकी मियाद पूरी हो चुकी है।

### पुलिस ने दुकान से बरामद किया 1223 पैकेट मधु मुनक्का

**कोरबा(विश्व परिवार)।** पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी के क्षेत्रों में अवैध रूप से गांजा शराब एवं दुकानों में अवैध वस्तुओं की चेकिंग किया गया। इसी कड़ी में थाना/चौकी अपने-अपने क्षेत्र में घूम घूम कर अवैध समान बेचने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी के द्वारा सख्त कार्यवाही किया गया है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 07 दिसंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com



# संपादकीय

## इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न...

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है? हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है। गठबंधन बनने के बाद नवंबर- दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ। लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आईं, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई। किसी साझा न्यूनतम कार्यक्रम की जरूरत तो गठबंधन ने आरंभ से ही नहीं समझी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह से मुक्ति की चाहत के अलावा उनके बीच किसी मुद्दे और सहमति की तलाश करना कठिन बना रहा है। ऐसी नकारात्मक राजनीति कभी कारगर नहीं होती। लोकसभा चुनाव में बिजली चमकने जैसी उम्मीद जगी, तो उसके पीछे भी उनके अपने प्रयासों का कम ही योगदान था। अब ऐसा लगता है कि तब जो नुकसान हुआ, अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इसका बड़ा कारण यह है कि इंडिया गठबंधन यह संदेश देने में नाकाम है कि उसके पास देश के विकास एवं आम जन की बेहतरी का कोई बेहतर एजेंडा है। इसके अभाव में गठबंधन महज सीटों के तालमेल का माध्यम बन कर रह जाता है। इस रूप में कुछ खास परिस्थितियों में यह प्रयास लाभदायक हो सकता है, लेकिन सत्ता पक्ष के लिए कोई गठबंधन कोई निर्णायक चुनौती पेश नहीं कर पाएगा। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद गठबंधन के अंदर की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस आलोचना के केंद्र में आई है, तो उसकी भी ठोस वजहें हैं। बड़ी पार्टी होने का सिर्फ लाभ नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसे अब भी कांग्रेस नेतृत्व नहीं समझ पाया, तो पार्टी की भूमिका पर सवाल गहराते जाएंगे।

# भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य

प्रह्लाद सबनानी

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यत: देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकड़ें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यत: निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अत: ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैंकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अत: देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है। शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अत: इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है।

## आलेख

# कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप -29 पिछले दिनों समाप्त हो गया जिसकी आर्थिकी बहुत कुछ पेट्रोल के उत्पादन पर निर्भर है। इसने कॉप-29 में सारी आलोचनाओं के बीच भी तेल-गैस क्षेत्र का बचाव जारी रखा हुआ है। कॉप-28 भी ऐसे देश में ही हुआ था। दूसरी तरफ, भारत और चीन तथा अमेरिका कोयले को अपने आर्थिक विकास का इंजन बनाए हुए हैं। इसको वो निकट भविष्य में छोडने् वाले भी नहीं हैं किंतु जलवायु संकट के बीच अधिकांश देशों की ही तरह यह यथार्थ उन्हें स्वीकारना होगा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बिरादरी से अलग-थलग होने से बचने के लिए देर-सबेर उन्हें कार्बन न्यूट्रल होना ही पड़ेगा। यूरोपियन संघ, जापान, कोरिया गणतंत्र सहित 110 से ज्यादा देशों ने 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की वचनबद्धता व्यक्त की हुई है। चीन 2060 तक ऐसा कर लेगा। भारत 2070 तक ही ऐसा कर पाएगा। यूरोपियन यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रहा है, जिनके निर्माण में थ्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है। ऐसे में मजबूरन ही सही विभिन्न देश अपने-अपने यहां जीवाश्म ईधन के उपभोग, उपयोग, उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं। डिकाबरेनाइजेशन या कार्बनरहित होना इसलिए भी आवश्यक है कि वौंकि तापक्रम बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेलसियस पर ही बांधने की महती जरूरत के बाद भी कोयला समेत फोसिल ईधनों के लगभग निर्बाध उपयोग की छूट सभी चाहते हैं। हालांकि आईपीसीसी का मानना है कि पृथ्वी का गरम होना कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के आनुपातिक होता है। वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता बढ़ती जा रही है। अमेरिका की संस्था एनओएए के अनुसार मई, 2023 में वायुमंडल में मासिक कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता रिकार्ड ऊंचाई पर पूर्व औद्योगिककाल की सघनता से पचास प्रतिशत ज्यादा थी। विश्व में 85 प्रतिशत ऊर्जा जीवाश्म ईधनों कोयला, पेट्रोलियम और गैस से प्राप्त की जाती है। पेट्रोलियम और गैस से जुड़े उद्योग तो हैं किंतु लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, बिजली, हाइड्रोजन, उर्वरक, रसायन के उद्योग भी कार्बन इंटेंसिव हैं। स्टील, सीमेंट, रसायन क्षेत्र के उद्योगों से वायुमंडल में करीब बीस प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पहुंचता है। बड़ी-बड़ी उत्सर्जन कटौतियों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड को तो वायुमंडल से हटाना ही पड़ेगा परंतु पेड़ों के जिम्मे ही कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने का काम सौंप कर हम जलवायु संकट की व्यापकता और गहनता का सामना नहीं कर सकते। वृक्ष चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग फोटोसिंथेसिस और बायोमास बढ़ाने में करते हैं, इसलिए वे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड हटाने में प्रभावी रहते हैं। इनसे जमीन के भीतर कार्बन भंडारण भी होता है। बहुत ज्यादा बायोमास बढ़ाना पड़ेगा। जंगलों में आग लगने जैसी घटनाएं भी होती हैं। हालांकि बड़ी-बड़ी कंपनियां, एयरलाइंस आदि भी जंगलों से कार्बन कैप्चर का ही सहारा ले रही हैं। अपनी ग्रीनहाउस गैसों के एमिशन को न्यूट्रलाइज करने यानी नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए इसी का सहारा ले रही हैं।2023 में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए घोषित कॉप-28 के मनोनीत अध्यक्ष यूएई के उद्योग एवं एडवांस टैक्नोलॅजी मंत्री डॉ. सुल्तान-अल-जबेर का बिना लाग लपेट यह कहना रहा कि जलवायु गणित जोडज़ाड़ से कुछ खास नहीं होता, यदि उसमें कार्बन कैप्चर की प्रक्रियाएं शामिल नहीं हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग भी गर्मी कम करने में कारगर नहीं हो सकते। 11 मई, 2023 को 1500 से ज्यादा वौंक पॉलिसी निर्माताओं, इंडस्ट्रियल लीडर्स, इनोवेटर्स को यूएई क्लाइमेट टेक कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था : हमें तेजी से उन तकनीकी समाधानों को ढूंढना होगा जो आर्थिकी को डिकाबरेनाइज करें। उत्सर्जनों को आईपीसीसी रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक कम से कम 43 प्रतिशत कम करें। बाइडेन प्रशासन ने भी अमेरिका के पावर प्लांटों के ऑपरेटर्स को साफ निर्देश दिया है कि उन्हें उत्सर्जन रोकने के उपाय करने ही होंगे। अमेरिका के जलवायु राजदूत केरी भी चेतावनी भरे लहजे में कह चुके हैं कि समय आ गया है कि ऐसे तेल व गैस उत्पादनकर्ता, जो कहते हैं कि उन्होंने वो तकनीकी महारथ हासिल कर ली है ।

# नौ वर्षों की प्रगति की झलक और आगे की राह

अरमान अली

इससे बेहतर संयोग नहीं हो सकता है, जैसे ही हम अति महत्वाकांक्षी सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के नौ साल पूरे होने का उत्सव मनाने, विश्लेषण करने और उस पर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जो इसके उद्देश्य को मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर को केंद्र सरकार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 40 के तहत अनिवार्य नियम बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्थान और सेवाएं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों, भारत की समावेशिता की खोज को नया प्रोत्साहन प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में उत्साह और दूरदर्शिता के साथ सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देशभर में दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित और सुखद/अनुकूल वातावरण तैयार करना है। साथ ही परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच सुनिश्चित करना है। यह अपनी तरह का पहला राष्ट्रव्यापी प्रयास था, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से टियर 1 शहरों में 50 सबसे महत्वपूर्ण भवनों और टियर 2 शहरों में 25 प्रमुख भवनों को पूर्ण रूप से सुगम्यता के लिए लक्षित किया गया था। मुझे राज्यों के मुख्य सचिवों द्वारा बुलाई गई कई उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लेने की बातें याद हैं। उन बैठकों में विभागों को प्रगति की निगरानी करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुगम्यता उपायों को अपडेट करने का काम सौंपा गया था। इन सत्रों ने सरकार के इरादे की गंभीरता को सुदृढ़ किया और ऐसी परिवर्तनकारी पहल के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। चंडीगढ़ जैसे शहर जो अपनी बेहतर शहरी योजना के लिए जाने जाते हैं और भुवनेश्वर जो अपनी सुलभता पहल के लिए प्रसिद्ध हैं, इस अभियान के प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरे कि इस अभियान द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है। फिर भी अपने अभूतपूर्व दृष्टिकोण के बावजूद इस अभियान को विशेष रूप से राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सुगम्यता राज्य का विषय है, ऐसे में इसके कारण कार्यान्वयन का अधिकांश बोझ राज्यों पर पड़ता है, जिनमें से कई राज्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सीमित जवाबदेही तंत्र और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ने प्रगति को और बाधित किया। अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य कई क्षेत्रों में पूरे नहीं हुए जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना। समय पर सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इस मिशन में नई तात्कालिकता आ गई। सिफारिशों को कानूनी अधिदेशों में परिवर्तित करके कोर्ट का निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि सुगम्य भारत अभियान को गति खोने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अभियान की यात्रा पर विचार करते हुए मेरा मानना है कि सुगम्य भारत 2.0 को स्वच्छ भारत अभियान जैसी सफल पहल के समान एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए मजबूत हितधारक जुड़ाव, स्पष्ट जवाबदेही तंत्र और प्राप्त करने योग्य समयसीमा महत्वपूर्ण हैं। प्रोत्साहन परिवर्तन के प्रमुख संचालक होंगे। उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय एनएएसी मान्यता के लिए सुगम्यता को एक मानदंड बना सकते हैं, जबकि उद्योग, स्थानीय सरकार और सार्वजनिक संस्थानों को सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांतों को अपनाने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। अभियान का फोकस भौतिक बुनियादी ढांचे से लेकर उत्पादों, सेवाओं और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तक होना चाहिए। निजी क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को पूरा करने की अपार संभावनाएं हैं। कंपनियां अपने कार्यालयों, उत्पादों और सेवाओं में समावेशी डिजाइन सिद्धांतों को अपना सकती हैं, जबकि दिव्यांग लोगों के संगठन (डीपीओ) के साथ साझेदारी दिव्यांग लोगों की जरूरतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि या जानकारी प्रदान कर सकती है। सुगम्यता को सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक रणनीति दोनों के रूप में पहचानना परिवर्तनकारी होगा। नौ वर्षों के सुगम्य भारत अभियान ने एक मजबूत नींव रखी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आकांक्षा से कार्रवाई की ओर बढ़ने का एक स्पष्ट आह्वान है, जिससे सुगम्यता को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। सफलता के लिए हमें हर स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इसकेलि लए केंद्र और राज्य सरकारों को श्रेणीबद्ध तरीके से रणनीति बनानी चाहिए, नागरिक समाज संगठनों को इसे बढ़ावा देना चाहिए, निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए और सुगम्यता में निवेश करना चाहिए। साथ ही मीडिया को इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने पिछले कुछ वर्षों में सुगम्य भारत अभियान को विकसित होते देखा है, मैं इसकी क्षमता के प्रति काफी आशान्वित हूं। कार्यान्वयन, हितधारक गठबंधन और सतत प्रगति पर अधिक ध्यान देने के साथ सुगम्य भारत 2.0 एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। एक ऐसे भारत का सपना जहां सुगम्यता केवल एक आदर्श नहीं है बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है - अगर हम दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के साथ इस क्षण का लाभ उठाते हैं।

**लेखक कार्यकारी निदेशक (एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली हैं**

# आलोचना पर दमनात्मक रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

योगेंद्र योगी

केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारुढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधराकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उस प्रतिबंध कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भड़का, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब द साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने द साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों

की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जी टी नानावटी और जस्टिस के जी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। गोधरा कांड और उसके बाद भड़के दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया द मोदी क्वेश्चन दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है।

## धर्म को ग्रहण करने की पात्रता दान से होती है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

**इंदौर (विश्व परिवार)।** वृषभ सागर जी मुनिराज को केवलज्ञान हुआ समवशरण में गणधर बेदी पर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ विराजमान हुये एवं जनमानस के प्रश्नों का समाधान किया। धर्म को ग्रहण करने की पात्रता दान से होती है, इसीलिये धर्म तीर्थ की प्रवत्ति के पहले दान तीर्थ को रखा गया है, जो देना नहीं जानते वह धार्मिक ही नहीं गृहस्थ की शोभा दान से होती है। उपरोक्त उद्‌गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने दीक्षा के उपरांत आहार विधी को संपन्न कराते हुये व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि भगवान ऋषभदेव ने दीक्षा ली लेकिन लोगों को आहार विधी की जानकारी नहीं होंने से छै महिने तक उनका आहार नहीं हुआ, पूर्वज्ञान के माध्यम से राजा श्रैयांस और राजा सोम को आहार विधी की जानकारी हुई तथा उनको आहार दैने का अवसर प्राप्त हुआ। इसीलिये चकृवर्ती भरत ने राजा श्रैयांस और राजा सोम को दान तीर्थंकर की उपाधि से विभुषित किया। मुनि श्री ने कहा कि बाहुबली भगवान को छोड़कर 24 तीर्थंकरों ने केवलज्ञान बाद में प्राप्त किया पहले गृहस्थों से आहार लिया था।मुनि श्री ने कहा कि दान की प्रक्रिया तुम्हारे जीवन को उठाने बाली प्रक्रिया है, आहारदान ही ऐसी प्रक्रिया है कि जिसमें साधू का हाथ नीचे और दातार का हाथ ऊपर होता है, आज धर्मतीर्थ के साथ साथ दानतीर्थ का भी दिवस है आप सभी लोगों ने मुनि वृषभ सागर महाराज को आहार दिया। उन्होंने कहा जो भगवान को आहार देते है वह तदभव मोक्षगामी होते है, आचार्य समन्तभद्र महाराज ने लिखा है कि निर्ग्रन्थ गुरु के हाथ में दिये गयेआहार से संचित पाप नष्ट हो जाते है इसलिये जब जब भी आपके नगर में निर्ग्रंथ मुनिराज आऐं तो आहारदान अवश्य दैना, तथा अपने मन में ऐसा संकल्प जगाना कि जिन हाथों से हमने भगवान को आहार दिया है उन हाथों से हम कभी भी कोई गलत कार्य नहींकरेंगे।मुनि श्री ने कहा कि यदि धर्म को प्राथमिकता बना लोगे तो धर्म अपने आप जीवन में उतर जाऐगा, उन्होंने कहा कि अपनी आय का 10त्न हिस्सा जीवदया अथवा परमार्थ के लिये दान अवश्य करना चाहिये। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री संघ के साथ नव निर्मित जिनालय गोकुल नगर पहुंचे एवं मूल नायक भगवान श्री पारसनाथ स्वामी को

मंत्रोच्चारण के साथ सूरी मंत्र प्रदान किया। प्रात:अनुष्ठान स्थल पर मुनि वृषभ सागर महाराज की आहार चर्या संपन्न हुई प्रतिष्ठाचार्य नितिन भैया भगवान को लेकर निकले राजा श्रैयांस तथा राजा सोम जिसे के.के. जैन एवं राजा जैन ने अपने परिवार के साथ पड़गाहन किया एवं इच्छुरस से आहार दान दिया, आहार विधी संपन्न कराने में उदासीन आश्रम के अनिल भैया, प्रतिष्ठाचार्य अभय भैया, अमित बास्तु, पंडित सुदर्शन ने संपन्न कराया, एवं मुनिसंघ ने मंत्रों के माध्यम से प्रतिमा के अंदर सूर्यमंत्र प्रदान किया शंख की ध्वनी के साथ भगवान को केवलज्ञान प्राप्त हुआ तत्क्षण सौधर्म की आज्ञा से धनपति कुबेर ने समवसरण की रचना की समवसरण में गणधर बेदी पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज, मुनि श्रीनिर्वेगसागर महाराज, मुनि श्री निस्वार्थ सागर महाराज, मुनि श्री निसर्ग सागर महाराज मुनि श्री संधान सागर महाराज क्षु.आदरसागर, समादरसागरचिद्‌रूपसागर, स्वरुप सागर, सुभग सागर महाराज विराजमान हुये। गणधर वेदी से मुनि श्री ने जनमानस के प्रश्नों का उत्तर देते हुये कहा भगवान की बाणी का प्रभाव ही ऐसा होता है कि उसे सभी प्राणी अपनी अपनी भाषा में समझ लेते है, समवसरण से मुख्य गणधर की उपस्थिति में भी भगवान की बाणी खिरती है मीडिया प्रभारी राहुल जैन एवं प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया दान दिवस के अबसर पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज को आहारदान सौभाग्य आलोक नगर, निवासीराजेश, देवयश, सूर्ययश जैन परिवार को मिला पंचकल्याणक समिति के संयोजक हर्ष तृप्ति जैन, धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी, नवीन आनंद गोधा, वैभव नगरअध्यक्ष विनोद जैन, मुनि सेवा में संल्गन विवेक जैन कुनकनी सहित सभी पदाधिकारिओं ने उनके पुण्य की सराहना की एवं सैकड़ों लोगों ने उनके निवास पर जाकर अनुमोदना की। **-अविनाश जैन**

## संयमी साधकों की एक क्षण की अनुमोदना आपको असीमित दुःखों से छुड़ा देगी- भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्शसागर जी मुनिराज

**नई दिल्ल (विश्व परिवार)।** संसार के समस्त दुःखों से निकालने का एकमात्र उपाय है. भगवती जिनदीक्षा। संसार-शरीर-भोगों से विरक्ति धारण करके ही यह जिनदीक्षा धारण की जाती है। दीक्षा धारण करने वाला दीक्षार्थी अत्यंत धैर्यशाली, समता स्वभावी, विकार-विभावों से रहित, कष्ट सहिष्णु, स्व-पर उपकारी, इन्द्रिय विषय आकांक्षाओं का दमन करने वाला और सर्वोत्कृष्ट त्याग तपस्या की साक्षात प्रतिमूर्ति हुआ करते हैं। 15 नवम्बर 2024 दिल्ली राजधानी में हुए ऐतिहासिक भगवती जिनदीक्षा महामहोत्सव में दीक्षित हुए विमर्शानुरागिनी आर्यिका श्री 105 विमर्शिता श्री माताजी सहित 13 दीक्षित साधिकाओं की मुखशुद्धि एवं व्रतदान क्रिया 06 दिसम्बर 2024 को कृष्णानगर जैन मंदिर में संपन्न की गयी। प्रात: काल की मंगल बेला में सुप्रभातम् के साथ मंगलाष्टक पाठ पूर्वक श्री जिनाभिषेक किया गया पुन: आचार्य संघ के साथ सभी नवोदित दीक्षित साधक-साधिकाओं ने सम्यग्दर्शन- सम्यग्ज्ञान-सम्यक्चारित्र एवं रत्नत्रय पूजन सम्पन्न की। पुन: आचार्य श्री ने अपने नवदीक्षित शिष्य शिष्याओं के मस्तक पर श्री: लिखकर व्रतदान की मांगलिक क्रिया सम्पन्न की। आचार्यश्री के पादमूल में सभी दीक्षित शिष्यों ने आकाश पंचमी व्रत को उपवास पूर्वक ग्रहण किया। वहीं उपस्थित दीक्षित शिष्यों के गृहस्थ जीवन के एवं धर्म के माता-पिता ने भी अपनी शक्ति अनुसार व्रत-नियम-संयम धारण किए। विशाल धर्मसभा के मध्य मुखशुद्धि क्रिया की मंगल भक्ति पाठों के साथ सभी नवदीक्षित साधकों ने अपने हाथों से उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मांगलिक द्रव्य प्रदान की।

**सौभाग्यशाली पात्र एवं कर्मठ कार्यकताओं का किया स्वागत :** भावलिंगी संत चातुर्मास 2024 एवं भगवती जिनदीक्षा महोत्सव के स्वर्णिम पलों की अनुभूतियाँ दिल्ली वाले भक्तों के हृदय से कभी विदा नहीं ले पायेंगी। चातुर्मास में तन-मन-धन से सेवा करने वाले श्रद्धालु भक्त श्रावकों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं का जिन्होंने भगवती जिनदीक्षा में कड़ी मेहनत करते हुए आयोजन को शिखर तक पहुँचाया, इन सभी गुरु भक्तों का चातुर्मास समिति एवं मंदिर कमेटी ने तहेदिल से गरिमामयी स्वागत सम्मान किया। आचार्य श्री ने कहा कि यह स्वागत आपका नहीं अपितु आपके श्रद्धा समर्पण एवं लगनशील मेहनत को प्रोत्साहन है, आप सदैव ऐसे ही सच्च देव-शास्त्र गुरु की भक्ति-आराधना करते रहें। **-वात्सल्य जैन**

## संक्षिप्त समाचार

### ब्रह्मचारी राकेश भैया जी के प्रथम केशलोंच मुनिश्री सुप्रभसागर जी, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के कर कमलों से गुढ़ा में हुआ सम्पन्न

**ललितपुर (विश्व परिवार)।** मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज के संघस्थ ब्रह्मचारी राकेश भैया जी के प्रथम केशलोंच मुनि श्री सुप्रभ सागर जी, मुनि श्री प्रणतसागर जी के कर कमलों से गुढ़ा में संपन्न हुए। उल्लेखनीय है कि मड़ावरा निवासी ब्र. राकेश भैया मुनिश्री से 2019 में मुनिश्री के मड़ावरा चातुर्मास में जुड़े थे। तब से निरंतर मुनि संघ में रहकर निरन्तर साधना में आगे बढ़ रहे हैं। 2022 में मुनिश्री के सान्निध्य में कारीटोरन में सम्पन्न पंचकल्याणक में उन्हें माता-पिता बनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ था। प्रथम केशलोंच देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

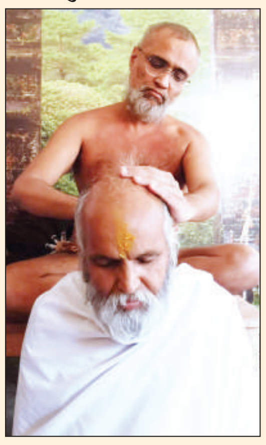

**केशलोंच जैन धर्म की कठिन तपस्या :** उत्कर्ष समूह के निर्देशक डॉ सुनील संचय ने बताया कि जैनधर्म में केशलोंच एक कठिन साधना है। जैन साधु अपने सिर, दाढ़ी, मूंछ के बाल हाथों से घास-फूस की तरह उखाड़ फेंकते हैं। ये उनकी साधना का अनिवार्य अंग होता है। केशलोंच वाले दिन साधक पूर्णत: उपवास करते हैं। केशलोंच के यह पल देखते ही कई श्रद्धालु भाव विभोर हो जाते हैं।

### आपरेशन नन्हे फरिस्ते के तहत रायपुर मंडल के द्वारा चलाये गये अभियान का विवरण

**भाटापारा (विश्व परिवार)।** दिनांक 05.12.2024 को उ.नि. बी.एल.बरेठा द्वारा रेलवे स्टेशन भाटापारा में गस्त के दौरान एक नाबालिक बच्चे को घबराए हुए घुमते देखने पर उससे पूछताछ करने पर अपना नाम व पता विवेक कुमार पासवान, वल्द चंदन पासवान, उम्र 11 वर्ष, साकिन बालूगंज, थाना ढिवरा, जिला औरंगाबाद बिहार का रहने वाला बताया तथा पूछताछ करने पर बताया कि, वह अपने घर से अपने माता-पिता के साथ दुर्ग में काम करने के लिए आया हुआ था और बिहार जाने के लिए गाडी में बैठा हुआ था गाडी जब रायपुर स्टेशन आया था तभी वह रायपुर स्टेशन मे प्लेटफार्म पर खाने का सामान लेने नीचे उतारा हुआ था और ट्रेन रायपुर स्टेशन से छुट जाने के कारण वह अपने माता-पिता से बिछड गया और अपने माता-पिता की खोजबीन करने के लिए गाडी संख्या 12823 एक्सप्रेस मे रायपुर स्टेशन में चढ गया था और भाटापारा स्टेशन में उतर कर घूम रहा था। तब उक्त बच्चे को रेसुब पोस्ट भाटापारा में उ.नि बी एल बरेठा व स्टाफ के द्वारा लाया गया। उक्त के संबंध मे स्टेशन प्रबंधक, भाटापारा को अवगत कराया गया तथा समय 17.00 बजे उ.नि. बी.एल.बरेठा द्वारा अध्यक्ष बाल कल्याण समिति बलौदा बाजार छ.ग. को अग्रिम कार्यवाही हेतु उक्त बालक को सही सलामत सुपुर्द किया गया।

## पत्रकार अपनी भारतीय संस्कृति संरक्षण का भी कार्य करें : आचार्य श्री विहर्षसागर जी महाराज

**जयपुर (विश्व परिवार)।** श्री दिगम्बर जैन शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखरजी में विराजमान आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ने 5 दिसम्बर को प्रात् 9 बजे गायत्री नगर, महारानी फार्म जयपुर यात्रा संघ को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि सामुहिक रूप से यात्रा, स्वाध्याय, पूजा, विधान, भक्ति, आरती करने से असीम पुण्य का फल मिलता है। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने युवा परिषद् बुलेटिन, राष्ट्रीय जैन समाचार पत्र की प्रति भेंट कर आचार्य श्री से धर्म चर्चा की।

आचार्य श्री ने कहा कि पत्रकार राष्ट्र के चौथे स्तंभ होते हैं, पत्रकारों को अपने अपने कार्य क्षेत्र के साथ साथ भारतीय संस्कृति संरक्षण का भी कार्य कराना चाहिए। सभी जैन पत्रकारों को संगठित होकर अपने तीर्थ क्षेत्रों के संरक्षण, संवर्धन, विकास में सहयोग करना चाहिए, जैन समाज, भामाशाहों को पत्रकारों का सम्मान व आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करना चाहिए। संघस्थ नीतू दीदी ने अवगत कराया कि आचार्य श्री का संघ दिसम्बर के तृतीय सप्ताह में परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के आचार्य पट्टारोहण समारोह में शामिल होने हेतु इन्दौर की ओर विहार करेंगे।

यात्रा संघ में प्रमुख रूप से अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, पुलक मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या, दिगम्बर जैन महासमिति टोंक रोड सम्भाग की अध्यक्ष मंजू सेवावाली, आदिनाथ रिलीफ ट्रस्ट के मंत्री अनिल टोंग्या, आदिनाथ महिला मंडल की धर्म मंत्री अनिता बड़जात्या, पुलक महिला जागृति मंच गायत्री नगर की महामंत्री रेखा झांझरी, वरिष्ठ समाजसेवी अनिल गदिया, अनिल झांझरी, महावीर सेवा वाले आदि श्रेष्ठी उपस्थित थे। **-उदयभान जैन**

## ऊँ इग्नोराय नमः के मंत्र से जीवन में सुकून रहेगा : विशुद्धकुल गौरव श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज

**अशोकनगर (विश्व परिवार)।** जयदु जिणिंदो महावीरों। श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज अशोकनगर में विराजमान है। मुनीत्रय की चरण धूलि से पावन हो रही है, अशोकनगर की वसुधा। नित्यम आदित्यम आनंदम।

श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने कहा की, ऊँ इग्नोराय नम: के मंत्र से जीवन में सुकून रहेगा। जिंदगी में बिना किसी से कोई सवाल किए केवल जी बोलने की आदत डालें आपने कहा राम में जल जैसे शीतलता, क्षमा, उदारता, नीतिज्ञता होने से सर्व पूज्य है। उन्होंने कहा क्रोध हटाने से जीवन की आधी समस्याएं तो वैसे ही खत्म हो जाएगी।

आप दुसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा आप स्वयं के साथ चाहते हैं। अपने व्यवहार को कुशल करना सबसे श्रेष्ठ नीती है। सही बात है- एक व्यावहारिक व्यक्ती सौ अव्यावहारिक व्यक्तियों से अच्छा है। आदित्य सागर मुनिराज ने नीति प्रवचन करते हुए कहा कि अपने जीवन को मतलबी व्यक्तियों से दूर रखें। जीवन में मनुष्य को पहचान करनी आनी चाहिए। यदि आपके पास पहचान करने की युक्ति नहीं है तो आप निश्चित घाटे में रहोगे। उन्होंने कहा कि गिरगिट अपने स्वभाव से रंग बदलता है, जबकि मनुष्य स्वार्थ भाव से रंग बदलता है। उन्होंने कहा कि चोर मनुष्य की मैत्री आपको एक बार कष्ट पहुंचती है, जबकि एक मतलबी की मित्रता बार-2 कष्ट पहुंचाती है।

टिशू पेपर न बने- आदित्य सागर मुनिराज ने कहा कि अपनी लाइफ को टिशू पेपर सा नहीं बनाएं। कोई भी व्यक्ति आए और यूज करके आपकों फेंक कर चला जाए। अपने जीवन को स्टाम्प पेपर की तरह बनाएं, जो एक बार अंकित हो जाए वो आपका हो जाए। उन्होने मतलबी व्यक्ति के पांच व्यवहारों को इंगित करते हुए कहा कि मतलबी सदैव दूसरों का धन-श्रम खर्च करने में लगा रहता है। वह अपना काम निकलने के बाद आपके हाल भी नहीं पूछेगा। मतलबी हर बात में फायदा व नुकसान की गणित में लगा रहेगा। नमोस्तु शासन जयवंत हो।

**-अभिषेक अशोक पाटील**

## रास्ते में खड़ी कार ने रोका मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का काफिला, दूसरे मार्ग से जाना पड़ा कवर्धा

**रायपुर (विश्व परिवार)।** प्रदेश के सीएम विष्णु देव साय के काफिले को शुक्रवार को कवर्धा जिले में 10 मिनट तक कुसुमघटा गांव में रुकना पड़ा। पुलिस प्रशासन की लापरवाही के चलते कार को खड़ी कर चालक मौके से गायब था। इसके चलते 10 मिनट रास्ता को क्लियर कराते तक सीएम को गाड़ी में ही बैठकर इंतजार करना पड़ा। सीएम श्री साय शादी समारोह में शामिल होने के बाद गाँव के सरस्वती शिशु मंदिर जा रहे थे। तभी बीच रास्ते मे खड़ी थी कार। सीएम विष्णु देव साय के साथ डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी गाड़ी में मौजूद थे। इस दौरान सुरक्षाबलों ने सीएम की गाड़ी के चारों ओर सर्कल बनाकर रखा। फिर भी काफी देर गुजर जाने के बाद रास्ता क्लीयर नहीं हुआ तब रूट चेंजकर वापस कवर्धा पहुंचे सीएम। सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा रायपुर से हेलीकॉप्टर से कवर्धा के न्यू पुलिस लाइन पहुंचे थे। इसके बाद 18 किमी तक का आगे का सफर रोड से तय कर ग्राम कुसुमघटा पहुंचे थे। वापस भी इसी रूट से आए हैं। इससे पहले इसी साल जनवरी माह में सीएम विष्णुदेव साय ग्राम कुसुमघटा पहुंचे थे, तब भी उनका हेलीकॉप्टर कवर्धा के न्यू पुलिस लाइन में अचानक उतर गया था। मुख्यमंत्री ने वर्मा परिवार के मुखिया और वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रशेखर वर्मा सहित परिवार के सभी सदस्यों से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री ने नवदंपत्ति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, वैवाहिक जीवन एक नई जिम्मेदारी और साथ ही जीवन की खूबसूरत यात्रा है। उन्होंने कहा कि विवाह दो परिवारों के मिलन का पवित्र बंधन है और इसे निभाना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य होता है।

## बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर एसईसीएल में श्रद्धासुमन अर्पित किए गए

**बिलासपुर (विश्व परिवार)।** दिनांक 06.12.2024 को एसईसील मुख्यालय प्रांगण में भारत-रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री एन. फ्रेन्कलीन जयकुमार, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, सिस्टा-ओबीसी प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में श्रद्धासुमन अर्पित कर स्मरण किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डा. भीमराव अम्बेडकर एवं गौतम बुद्ध के चित्र के समीप उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलित किया गया उपरांत पुष्पमाला अर्पित किया गया। इस अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय प्रांगण स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा में उपस्थित अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री एन. फ्रेन्कलीन जयकुमार, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, सिस्टा-ओबीसी ने प्रतिनिधियों माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर श्रीमती दिशा खोब्रागड़े ने महात्मा गौतम बुद्ध व बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र के समीप 'बुद्ध वंदना' किया।

## महापौर ने निगम के श्वान आश्रय केंद्र सोनडोंगरी के निर्माण एवं विकास कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राजधानी शहर के प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने नगर निगम जोन नम्बर 8 के माध्यम से वार्ड नम्बर 2 के सोनडोंगरी में तेज गति से निर्माणाधीन श्वान आश्रय केन्द्र के प्रगतिरत निर्माण एवं विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन निगम जोन 8 जोन कमिश्नर ए. के. हालदार एवं कार्यपालन अभियन्ता अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति में किया. महापौर एजाज ढेबर ने कार्यों की स्थल समीक्षा की एवं कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करवाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए. अधिकारियों ने बताया कि सोनडोंगरी में प्रगतिरत श्वान आश्रय केन्द्र में नगर के अस्वस्थ एवं सड़क दुर्घटनाओं में चोटिल श्वानों को शासकीय पशु चिकित्सकगणों के निर्देशन में त्वरित उपचार हेतु रखे जाने लगभग 77 कैनल का निर्माण कार्य तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर है. साथ ही पशु प्रेमी एनजीओ की सहभागिता से शहर के नागरिकों को शहर के बाहर कुछ दिनों के लिए जाने की अवधि के दौरान उनके पालतु श्वानों को समुचित देखभाल हेतु केन्द्र में रखे जाने की व्यवस्था केन्द्र का संचालन प्रारम्भ होने के पश्चात दी जाएगी. श्वान आश्रय केन्द्र में ऑपरेशन थिएटर, पशु चिकित्सकों के कक्ष की व्यवस्था सहित सुविधायुक्त बनाने सभी आवश्यक प्रबंध किये जायेंगे. महापौर ने सम्बंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से शीघ्र कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए हैं।

## एएम/एनएस इंडिया की पहल : 'बाल ज्योति' निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर से 126 बच्चों की जिंदगी होगी रौशन

### एएम/एनएस इंडिया द्वारा गीदम में 8 दिवसीय 'बाल ज्योति' निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का शुभारंभ

**दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)।** आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया कंपनी (एएम/एनएस) के सीएसआर पहल के अंतर्गत गीदम स्थित कन्या माध्यमिक शाला में 8 दिवसीय बाल ज्योति नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का उद्घाटन जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीएमसी, बीईओ, एबीईओ, प्राचार्य और शिक्षा विभाग दंतेवाड़ा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस शिविर में 22 स्कूलों से चयनित 345 छात्रों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 126 छात्रों में दृष्टिदोष की पहचान की गई। इन छात्रों को शीघ्र ही नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे। कल यह शिविर बारसूर स्थित शासकीय बालक विद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया कंपनी (एएम/एनएस) अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत दंतेवाड़ा और उसके आस-पास के विभिन्न ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी शिविरों का आयोजन करती रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, बल्कि उनके जीवन स्तर में सुधार करना भी है।

एएम/एनएस की यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, बीमारियों की समय पर पहचान करने और उनका समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है। इसके तहत नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, आवश्यक चश्मों का वितरण, और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाता रहा है।

इसके अलावा, कंपनी ग्रामीण समुदायों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियानों के माध्यम से बीमारियों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भी सक्रिय रूप से काम करती रही है। एएम/एनएस इंडिया का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बल्कि पूरे समुदाय का उत्थान सुनिश्चित हो सके।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

## संक्षिप्त समाचार

### नक्सलियों ने की दो पूर्व सरपंचों की हत्या

**बीजापुर(विश्व परिवार)।** जिले में नक्सलियों ने बीते 48 घंटों में दो पूर्व सरपंचों की हत्या कर दी है। शव के पास माओवादी पर्चे फेंके गए हैं। पुलिस की ओर से कहा गया है कि, घटना की जांच की जा रही है। तीन को सूकलू चार को सुखराम का अपहरण और हत्या प्रारंभिक तौर पर मिली सूचना के अनुसार बीते तीन दिसंबर को, भैरमगढ़ निवासी बिरयाभुमि के पूर्व सरपंच सूकलू फरसा को डालेर के पास से नक्सलियों ने अपहरण किया और उनकी हत्या कर दी गई।सूकलू के शव के पास भैरमगढ एरिया कमेटी का पर्चा बरामद हुआ है।जबकि चार पांच दिसंबर को बीजापुर के नेमाड़े थाने के कडेर के पूर्व संरपच सुखराम जो कि बीजापुर में रह रहे थे, वे निजी काम से कैका गए थे। लौटते समय उनको अपहरित कर जंगल की ओर ले गए। रात करीब 9 बजे पूर्व सरपंच सुखराम का शव सड़क पर डाल दिया गया। शव के साथ गंगालूर एरिया कमेटी का पर्चा बरामद हुआ है।

### आबकारी ने आठ लीटर अवैध शराब जप्त किया

**सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)।** जिले के आबकारी वृत्त सरसीवा ने गुरुवार को ग्राम भिनोदी के खगेश यादव से अवैध शराब जप्त किया है।ग्राम भिनोदी में कार्यवाही के पहले, दुकान स्वामी खगेश यादव एवं अन्य गवाहो के समक्ष समस्त आबकारी टीम ने तथा टीम के द्वारा प्रयुक्त वाहन की तलाशी दी गई। तलाशी में किसी भी प्रकार का मादक सामग्री नही पाये जाने पर दुकान स्वामी के अनुमति से मकान सह दुकान में प्रवेश कर विधिवत रुप से मकान दुकान एवं बाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी में दुकान में एक नग स्प्राइट की बोतल में भरा 02 लीटर एवं 60 नग पालीथीन पाउच में (प्रत्येक में भरा 100-100 मिलीलीटर) 06 लीटर कुल जुमला 08 लीटर महुआ शराब के समान तरल द्रव को बरामद किया गया। मौके पर तरल द्रव का परीक्षण करने पर उसे कच्ची महुआ शराब होना पाया गया जिसे विधिवत रूप से सीलबंद कर कब्जा आबकारी लिया। आरोपी के विरुद्ध छ.ग. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 59 क के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष अग्रिम कार्यवाही हेतु पेश किया जा रहा है। इस कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक विपिन कुमार पाठक, आबकारी मुख्य आरक्षक फगुराम टण्डन एवं सुरक्षा गार्ड लोचन साहू का विशेष योगदान रहा।

### चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

**धमतरी(विश्व परिवार)।** धमतरी पुलिस थाना कुरूद पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था तभी मुखबिर से सुचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति जो की कन्हारपुरी रोड नहर पुल के पास कुरूद के पास अपने हाथ में एक धारदार चाकू को लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा कि सुचना पर तत्काल कुरूद पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान कन्हारपुरी रोड नहर पुल के पास कुरूद के पास पहुंचकर देखे तो एक व्यक्ति धारदार चाकु को अपने हाथ लेकर आम जगह पर लहरा रहा था जिसे देखकर आने जाने वाले लोगो में भय व्याप्त था। उक्त व्यक्ति को गवाहों के समक्ष घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम भूपेन्द्र भारती पिता घनश्याम भारती उम्र 19 वर्ष सा0 शांति नगर कुरूद का रहने वाला बताया। आरोपी के कृत्य अपराध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के पर्याप्त साक्ष्य सबुत पाये जाने से गवाहों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध थाना कुरूद में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर,आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। शहर में बढ़ती चाकुबाजी की घटनाओं को रोकने के लिये ऐसे आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

### कलेक्टरने धान खरीदी केंद्र पवनी और धनसीर का निरीक्षण किया

**सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)।** कलेक्टर धर्मेश साहू बिलाईगढ़ क्षेत्र के धान खरीदी केंद्र पवनी और धनसीर का निरीक्षण किया। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में खरीदी केंद्र प्रभारी से आवक जावक, नमी मापक यंत्र, तौल पर्ची, बारदाना, कुल खरीदी, आकस्मिक बरसात से धान को भीगने से बचाने पॉलिथीन व्यवस्था, बैनर में शिकायत और नोडल अधिकारियों के नंबर डिस्प्ले आदि का जानकारी ली। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधक को नियम अनुसार धान खरीदी करने और किसानों को राज्य शासन द्वारा दी जा रही 72 घंटे में समिति से धान बिक्री की राशि 10 हजार रुपए की तात्कालिक आहरण का लाभ देने के लिए कहा। इस अवसर पर परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान, डिप्टी कलेक्टर वर्षा बंसल, तहसीलदार कमलेश सिदार सहित विकासखंड के अधिकारी शामिल रहे।

## योजनाओं के लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में दिखाए तत्परता-सीईओ जिला पंचायत

**जिला पंचायत सभागार में योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा बैठक आयोजित**

**सुकमा(विश्व परिवार)।** कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन ने गुरुवार को जिला पंचायत सुकमा के सभागार कक्ष में विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन हेतु रणनीतियां तैयार करने और स्थायी विकास के लक्ष्य को पूरा करने पर जोर दिया। श्रीमती नम्रता जैन ने सभी अधिकारियों को योजनाओं के लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में तत्परता दिखाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में माओवाद पीड़ित एवं आत्मसमर्पित माओवादियों की आवास सर्वे रिपोर्ट की विस्तार से समीक्षा की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पूर्ण और अपूर्ण आवासों, स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) और आवास प्लस के लिए शेष दस्तावेजों पर समीक्षा कर, शीघ्र लंबित दस्तावेजों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ताकि पात्र हितग्रहियों को समय पर शासन की योजनाओं से लाभन्वित हो। नियद नेल्लानार योजना के तहत आवास से संबंधित शेष दस्तावेजों और योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति पर भी जोर दिया गया।बैठक के दौरान अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने और शेष दस्तावेजों को समय पर जमा करने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने पर विशेष हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा, ग्राम विकास से संबंधित अन्य योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

## आकांक्षी ब्लाक माकड़ी में खुरा चपका रोग नियंत्रण के लिए चलाया जा रहा सघन अभियान

**कोण्डागांव(विश्व परिवार)।** आकांक्षी विकासखण्ड माकड़ी में पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत खुरा चपका रोग के नियंत्रण हेतु विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य माकड़ी ब्लॉक में गाय, भैंस, भेंड़, बकरी, सूअर आदि पालतू और जंगली पशुओं में खुरा चपका जैसे संक्रामक रोग के प्रभाव को कम करना है। यह अभियान 15 अगस्त 2024 से शुरू हुआ है और इसका लक्ष्य शत प्रतिशत पशुओं को टीकाकरण के माध्यम से इस खतरनाक रोग से बचाव प्रदान करना है। इस कार्य के लिए माकड़ी विकासखण्ड में डॉ. सुधरन मरकाम और डॉ. प्रिया गजभिये के नेतृत्व में 05 टीम बनाई गई। इन पांच टीकाकरण टीमों की मदद से अभियान के दौरान सक्रिय रूप से कार्य करते हुए 66 हजार 600 के लक्ष्य के विरुद्ध 66 हजार

331 पशुओं में टीकाकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस अभियान में पूरी तरह से सफलता मिल रही है और पशुओं के बीच खुरा चपका रोग के नियंत्रण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उल्लेखनीय है कि खुरा चपका अत्यन्त संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित रोग है। यह गाय, भैंस, भेंड़, बकरी, सूअर आदि पालतू पशुओं एवं हिरन जैसे जंगली पशुओं को प्रभावित करता है। इस रोग के आने पर पशु को तेज बुखार हो जाता है और बीमार पशु के मुंह, मसूड़े, जीभ के ऊपर नीचे ओंठ के अन्दर का भाग खुरों के बीच की जगह पर छोटे-छोटे दाने से उभर आते हैं।

## अछोटा, लीलर व शकरदाह सोसायटी का गुरमुख सिंह होरा ने किया निरीक्षण

**धमतरी(विश्व परिवार)।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा चलाये जा रहे धान खरीदी केंद्र चलो अभियान के तहत आज दूसरे दिन दिसम्बर अभियान के प्रभारी छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गुरमुख सिंह होरा नें धमतरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संचालित विभिन्न कृषि सहकारी साख समितियों के धान उपार्जन केन्द्रो का आकस्मिक निरीक्षण कर किसानो का हालचाल एवं समस्याओं को सुना। उन्होंने आज धान उपार्जन केन्द्र अछोटा, लीलर एवं शकरदाह का निरीक्षण किया। इस दौरान बहुत से केंद्रों में तय मात्रा से 150 ग्राम से 200 ग्राम तक अधिक तोलाई कि बातें सामनें आयी। किसानों नें चर्चा के दौरान बताया कि नमी के नाम पर धान को वापस भेज दिया जा रहा है जिससे किसान भाइयों को लाने, ले जाने में अतिरिक्त नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। सरकार नें उपज विक्रय के 72 घंटे के भीतर राशि देने का वायदा किया था . परन्तु 5 दिन बीत जाने के बाद भी राशि खाते में अंतरित हो पाया है. शासन नें एकमुश्त राशि देने कि बात कही थी। परन्तु वर्तमान में केवल 2300 रूपये के हिसाब से हीं भुगतान किया जा रहा है। होरा नें समिति प्रबंधको से बात कर ओवर वेट तोलाई का सतत निगरानी करने कि बात कही ताकि अन्नदाताओ को नुकसान उठाना नहीं पड़े। साथ में पूर्व विधायक हर्षद मेहता ज़ी,कांग्रेस नेता वसीम कुरैशी,संतोष सिन्हा, टिकेंद्र गजेंद्र राहुल बख्तानी, जोन अध्यक्ष जीवराखन देवांगन, सरपंच अरुण देवांगन, भोला देवांगन, अरुण देवांगन, राम भरोसा साहू, तोमेश सिन्हा, पेखन लाल साहू, पतिराम ध्रुव शंकर दाह में चमन साहू, गैद लाल साहू, अश्वनी सिन्हा दीपक साहू सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## महतारी वंदन योजना से संवरी सलाम के जीवन में आया खुशहाली

**नारायणपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने महिलाओं की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें समाज में समानता का अधिकार देना है। इस योजना का लाभ ग्राम बिंजली के निवासी संवरी सलाम के जीवन में महतारी वंदन योजना से महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। संवरी सलाम जिनके पति दयाराम सलाम भी इस परिवार के सदस्य हैं, महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। संवरी और उनके परिवार को इस योजना के तहत हर महीने 1000 रूपये की वित्तीय सहायता मिलती है। यह राशि उनके परिवार के लिए बहुत मददगार साबित हो रही है, खासकर आर्थिक तंगी के समय संवरी सलाम बताती हैं कि वह मजदूरी और खेती करके अपने घर का खर्चा चलाती थी, लेकिन महतारी वंदन योजना से मिली यह राशि अब उनके लिए घर चलाने में काफी मददगार साबित हो रही है। संवरी ने बताया कि इस योजना ने हमारी ज़िन्दगी में एक नई उम्मीद जगा दी है। अब हम अपनी रोज़मर्रा की जरूरतें बिना किसी तनाव के पूरी कर पा रहे हैं। संवरी बताती है कि महतारी वंदन की 10वीं किस्त की राशि उनके खाते में हास्तातंरित हो गया है।

## सड़कों पर आवारा मवेशियों के रोकथाम के लिए चलाए अभियान - कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल

**यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराएं सुनिश्चित**

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।बैठक में जिले से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय राज मार्ग और राजकीय सड़क मार्ग के साथ-साथ ग्रामीण तथा वनांचल सड़कों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न एजेंडा चर्चा की गई।बैठक में पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा भी शामिल हुए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बैठक में सड़को पर आवारा मवेशियों के रोकथाम के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों पर बैठने वाले आवारा पशुओं को उचित तरीके से हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा।साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए कहा। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी श्री रविन्द्र ठाकुर,पीडब्ल्यूडी,पीएमजीएसवाय, पशु चिकित्सा विभाग,नगर पालिका सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर ने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सहायक सड़कों के दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने,सुधारे गए ब्लैक-स्पॉट पर सुधार उपरांत दुर्घटनाओं की मॉनिटरिंग व रेडियम बेल्ट लगाने को कहा।उन्होंने मोटरयान अधिनियम एवं अन्य ट्रैफिक नियमों का पालन की कार्यवाही करने,असावधानीपूर्वक वाहन चालन एवं अन्य अपराधों में लिप्त वाहन चालकों के ड्रायविंग लायसेंस निलंबन की कार्यवाही करने,ड्रायविंग में विचलित करने वाले होर्डिंग्स को हटाने,फुटपाथ,पार्किंग,सर्विस लेन आदि से अतिक्रमण हटाने एवं सड़कों पर सुधार कार्य कराने के भी निर्देश दिये।

## कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह ने किया धान खरीदी केन्द्र सांकरा क एवं सोरर का निरीक्षण

**बालोद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज बालोद विकासखण्ड के धान खरीदी केन्द्र सांकरा क एवं गुरूर विकासखण्ड के धान खरीदी केन्द्र सोरर का निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने धान खरीदी केन्द्रों में अपने धान की बिक्री करने पहुँचे किसानों से बातचीत कर धान खरीदी केन्द्र के व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधक से धान खरीदी केन्द्रों में अब तक खरीदे गए कुल धान की मात्रा एवं पंजीकृत कुल किसानों में से अब तक धान बिक्री करने वाले किसानों की संख्या आदि के संबंध में जानकारी ली। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि धान खरीदी केन्द्र सांकरा क में कुल 1616 किसानों में से अब तक कुल 483 किसानों ने अपनी धान की बिक्री कर चूके हैं। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केन्द्र सांकरा क में अब तक कुल 17 हजार 500 क्विंटल धान की खरीदी हो चूकी है। इसी तरह धान

खरीदी केन्द्र सोरर में कुल 1307 किसानों में से 382 किसान अपनी धान की बिक्री कर चूके हैं। इसके साथ ही धान खरीदी केन्द्र सोरर में अब तक कुल 16 हजार 800 क्विंटल धान की खरीदी की जा चूकी है। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने धान खरीदी केन्द्र सांकरा क में अपने धान की बिक्री करने पहुँचे किसान श्री रामकीर्ति एवं श्री मोतीलाल से बातचीत कर धान खरीदी केन्द्र के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। किसान रामकीर्ति ने बताया कि 07 क्विंटल 60 किलो धान की बिक्री की है। इसी तरह उन्होंने धान खरीदी केन्द्र सोरर में अपने धान की बिक्री करने पहुँचे ग्राम सोंहपुर के किसान टीकम, लालाराम, टीजू आदि से बातचीत कर धान खरीदी केन्द्र के व्यवस्थाओं का हालचाल जाना। किसानों ने कहा कि धान खरीदी केन्द्र में हम किसानों के सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। धान खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए बैठक व्यवस्था के अलावा शुद्ध पेयजल, शौचालय आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध है। जिसके कारण धान बिक्री करने में हम किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो रही है। इस दौरान उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं आरपी राठिया, जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

## व्यापार समाचार

### प्रधानमंत्री की रूफटॉप सोलर योजना के तहत 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** संसद में दिए गए एक बयान के अनुसार, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत करीब 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन और 6.34 लाख इंस्टॉलेशन पूरे किए गए हैं। इस योजना को प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2027 तक आवासीय क्षेत्र में 1 करोड़ रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन हासिल करने के उद्देश्य से शुरू किया है, जिसके लिए 75,021 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली राज्य मंत्री (एमओएस) श्रीपद नाइक ने राज्यसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि राष्ट्रीय पोर्टल ने कुल 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन, 26.38 लाख आवेदन और 6.34 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की सूचना दी है। एमओएस के अनुसार, 3.66 लाख आवेदकों को सब्सिडी जारी की गई है और इसे नियमित रूप से 15 से 21 दिनों के भीतर जारी किया जाता है। गुजरात में इस पहल के तहत सबसे अधिक 2,86,545 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। महाराष्ट्र में 1,26,344 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में 53,423 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। राज्य मंत्री नाइक ने कहा कि मंत्रालय आरईसी, डिस्कॉम और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों के साथ साझेदारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य योजना के सफल कार्यान्वयन के रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करना है। पीएम मोदी ने उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए रूफटॉप सोलर योजना शुरू की थी। 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करवा कर 1 करोड़ घरों को रोशन करना है। लोगों के बैंक खातों में सीधे दी जाने वाली पर्याप्त सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े।

### ईस्टमैन ने भारत में सबसे बड़ी इन्वर्टर बैटरी रेंज लॉन्च की

**नई दिल्ली:** पॉवर सॉल्यूशंस के मुख्य प्रदाता, ईस्टमैन ऑटो एंड पॉवर ने आज अपने इन्वर्टर बैटरी पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए 170+स्टॉक कीपिंग यूनिट्स (एसकेयू) के साथ ईस्टमैन ब्रांड के अंतर्गत 100 से ज्यादा और U ADDO ब्रांड के अंतर्गत 70 से ज्यादा नए मॉडल पेश किए। इस विस्तार के साथ ईस्टमैन इन्वर्टर बैटरी बाजार में सबसे बड़ा पोर्टफोलियो पेश करने वाली कंपनी बन गई है, जो पॉवर की हर जरूरत को पूरा करने के लिए समाधान प्रदान कर रही है। इसके विस्तृत पोर्टफोलियो में अब 100 Ah से लेकर भारत में पहली बार पेश किए गए 400 Ah तक के उत्पाद शामिल हैं। ये उत्पाद आवासीय, वाणिज्यिक और उद्योग जगत के हर प्रयोग के लिए ऊर्जा समाधान प्रदान करेंगे। ईस्टमैन अपनी पूरी रेंज के लिए उद्योग में अग्रणी वॉरंटी के साथ भारतीय इन्वर्टर बैटरी बाजार में विश्वसनीयता का नया मानक स्थापित कर रहा है। ग्राहकों को 3 महीने से लेकर 240 महीने (20 साल) तक की लंबी वॉरंटी प्रदान करके ईस्टमैन अपने उत्पादों की गुणवत्ता में अटूट विश्वास प्रमाणित कर रहा है। ईस्टमैन की उच्च क्षमता की प्रीमियम सीरीज़ में इनोवेटिव 400 Ah की बैटरी और 250 Ah से लेकर 400 Ah तक के मॉडल शामिल हैं। यह सीरीज़ विशेषकर उन उपयोगों के लिए बनाई गई है, जिनमें एक मजबूत और विश्वसनीय पॉवर बैकअप की जरूरत होती है। बाजार में भिन्न-भिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए ईस्टमैन ने अपने पोर्टफोलियो को बजट-प्रेमी ग्राहकों के लिए स्मार्ट सीरीज़, किफायत पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए रैगुलर सीरीज़, और सर्वोत्तम परफॉर्मेंस एवं फीचर्स पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए प्रीमियम सीरीज़ में बाँटा है। ये उत्पाद ADDO ब्रांड के अंतर्गत भी उपलब्ध हैं।

### यूपीआई लाइट वॉलेट की लिमिट हुई 5000 रुपये

**मुंबई( एजेंसी )।** भारतीय रिजर्व बैंक ने मोबाइल फोन के जरिए इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम को बढ़ावा देते हुए यूपीआई लाइट के लिए वॉलेट लिमिट को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रति ट्रांजैक्शन की लिमिट को भी 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया गया है। आरबीआई के अनुसार, यूपीआई लाइट के जरिए अब एक व्यक्ति को एक बार में अधिकतम 1,000 रुपये भेजे जा सकते हैं। रिजर्व बैंक सर्कुलर में कहा गया है, यूपीआई लाइट के लिए बढ़ी हुई लिमिट प्रति लेनदेन 1,000 रुपये होगी और किसी भी समय कुल सीमा 5,000 रुपये होगी। यूपीआई पेमेंट के लिए यूजर को यूपीआई पिन की जरूरत होती है। यूपीआई लाइट के जरिए स्मार्टफोन यूजर को कम कीमत वाले लेनदेन बिना यूपीआई पिन के करने की सुविधा मिलती है। यूपीआई लाइट एक कस्टमर-फ्रेंडली अप्रोच है, जो कि रियल टाइम में बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम पर निर्भर नहीं रहती। यूपीआई लाइट व्यक्ति-से-व्यक्ति भुगतान, व्यक्ति-से-व्यापारी भुगतान और छोटे व्यापारी भुगतान के लिए ऑफलाइन लेनदेन को सपोर्ट करता है। यूपीआई लाइट के साथ यूजर को पेमेंट के लिए ऑफलाइन डेबिट की सुविधा मिलती है, लेकिन क्रेडिट के लिए ऑनलाइन रहना जरूरी है। अधिकांश यूपीआई मर्चेंट लेनदेन स्थिर या गतिशील क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हैं, जिसके लिए भुगतान पूरा करने के लिए प्राप्तकर्ता तक ऑनलाइन संदेश पहुंचना जरूरी है।

### हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 24,400 से ऊपर

**मुंबई( एजेंसी )।** भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9ः41 बजे सेंसेक्स 103.11 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,059.44 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 21.20 अंक या 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,488.65 पर कारोबार कर रहा था। बाजार का रुख सकारात्मक रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,291 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 993 शेयर लाल निशान में थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी बाजार तेजी में है। फेड के प्रमुख पॉवेल ने टिप्पणी कि अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है अमेरिकी बुल्स के लिए एक प्रेरणा है। हालांकि, इस बात की चिंता है कि अमेरिका में वैल्यूएशन बढ़ रहा है। उच्च वैल्यूएशन की यह चिंता भारत के लिए भी बनी हुई है।

# एडिलेड टेस्ट में राहुल-जायसवाल ही ओपनिंग करेंगे : कप्तान रोहित शर्मा

**एडिलेड,( एजेंसी )।** पर्थ में पहला टेस्ट जीतने के बाद अब टीम इंडिया का काफिला एडिलेड पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है और अब सब की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी के साथ टीम इंडिया और अधिक मजबूत हो गई है, लेकिन एक नया टीम कॉम्बिनेशन तैयार करना कोच गौतम गंभीर के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की सराहना करने हुए कहा कि एडिलेड में भी हमारी ओपनिंग जोड़ी यही होगी। शुक्रवार से एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे गुलाबी गेंद टेस्ट में पारी की शुरुआत इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही रहेगी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में राहुल और जायसवाल ने टीम की जीत की नींव रखी थी। रोहित ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, केएल (एडिलेड में) ओपनिंग करेंगे। जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है, वह इसके हकदार हैं। मैं मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। यह काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से, यह आसान नहीं था (बल्लेबाज के तौर पर) लेकिन टीम के लिए यह एक आसान निर्णय था। पारिवारिक कारणों के चलते रोहित शर्मा पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। उनकी अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की अगुवाई की जबकि नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। रोहित एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट में बतौर ओपनर अपने नियमित स्थान पर नहीं खेलेंगे। पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार के बाद उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी सवालों के घेरे में आ गई थी। पिछली छह पारियों में उन्होंने एक अर्धशतक सहित केवल 93 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 15.16 रहा जो तीन या उससे ज्यादा टेस्ट मैच की सीरीज में उनका सबसे खराब औसत है। पिछले सप्ताह कैनबरा के मनुका ओवल में ऑस्ट्रेलिया के प्राइम मिनिस्टर्स 11 के खिलाफ खेले गए सीमित ओवरों के गुलाबी गेंद के अभ्यास मैच में टीम के प्रदर्शन से रोहित संतुष्ट दिखे।

## कलिंगा लांसर्स ने वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया

**भुवनेश्वर( एजेंसी )।** कलिंगा लांसर्स ने आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन के लिए वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया है। 43 वर्षीय अल्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हॉकी में एक बेहद सम्मानित नाम हैं, जो अपने सामरिक कौशल, नेतृत्व और जर्मन राष्ट्रीय टीम के साथ वर्षों के अनुभव के लिए जाने जाते हैं। अल्टनबर्ग एक दशक से भी अधिक समय से जर्मन हॉकी में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। जर्मन हॉकी एसोसिएशन (डीएचबी) के इतिहास में सबसे कम उम्र के सीनियर पुरुष कोच के रूप में, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में जर्मन पुरुष टीम को कांस्य पदक दिलाया और टीम को प्रमुख टूर्नामेंटों में मजबूत प्रदर्शन के लिए निर्देशित किया, जिसमें 2019 और 2021 में यूरोपीय चैंपियनशिप में रजत पदक और 2023 में कांस्य पदक शामिल हैं। अपनी ओलंपिक उपलब्धियों के अलावा, अल्टनबर्ग ने पुरुष और महिला दोनों टीमों का प्रबंधन किया है, जिससे उनकी भूमिका में बहुमुखी प्रतिभा और खेल की व्यापक समझ आई है। मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, अल्टनबर्ग ने कहा- मैंने हमेशा भारतीय हॉकी की प्रशंसा की है, और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं वेदांत कलिंगा लांसर्स का आभारी हूं। हमारे पास टीम में युवा और अनुभवी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का एक स्वस्थ मिश्रण है, और मैं एथलीटों और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं शुरुआत करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

## अभिषेक शर्मा ने किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की

**राजकोट( एजेंसी )।** कप्तान अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को निरंजन शाह स्टेडियम सी में मेघालय के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) मैच में पंजाब के लिए मात्र 28 गेंदों पर सनसनीखेज 100 रन बनाकर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। 29 गेंदों पर 11 छक्कों और आठ चौकों की मदद से 106 रनों की नाबाद पारी खेलकर अभिषेक ने गुजरात के उर्विल पटेल के साथ किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने इससे पहले इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ 28 गेंदों पर शतक बनाया था। 143 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, अभिषेक ने मात्र 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर मात्र 28 गेंदों में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जबकि पंजाब ने मात्र 9.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक की सनसनीखेज पारी ने टूर्नामेंट में उनके खराब दौर को खत्म किया, क्योंकि अपनी पिछली छह पारियों में उन्होंने 149 रन बनाए थे और केवल एक बार पचास का आंकड़ा पार किया था। बल्लेबाजी में अपने शानदार प्रदर्शन के अलावा, अभिषेक ने अपने चार ओवर के कोटे में 6 की इकॉनमी से 24 रन देकर दो विकेट भी लिए, जिससे पंजाब ने मेघालय को 20 ओवर में 142-7 पर रोक दिया। विश्व स्तर पर, अभिषेक की यह उपलब्धि उन्हें सर्वकालिक सबसे तेज टी20 शतक से बस कुछ ही दूर रखती है, जो एस्टोनिया के साहिल चौहान ने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में बनाया था।

## सैमसंग ई.डी.जी.ई. सीजन 9 के विजेताओं ने जेन जेड की सोच और जियो टारगेटिंग में नवाचार से तकनीकी समाधानों की पेश की नई दिशा!

भारत के सबसे बड़े कंज्यू,मर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने प्रतिष्ठित वार्षिक कैम्प स प्रोग्रामसैमसंग ई.डी.जी.ई. (Empowering Dreams Gaining E&cellence) के नौवें संस्करण के विजेताओं की घोषणा कर दी है। यह प्रोग्राम युवाओं को उनके व्यावसायिक कौशल, रणनीतिक सोच और नेतृत्व क्षमता को दिखाने का शानदार मंच प्रदान करता है। इस साल के संस्करण में भारत के 40 प्रतिष्ठित संस्थानों से 15,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इनमें बी-स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज और डिजाइन स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र शामिल थे। ये सभी युवा प्रतिभागी नवाचार और सहयोग की भावना के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करते नजर आए।गुरुग्राम में आयोजित फिनाले में सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क सहित सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह आयोजन सैमसंग के लिए नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और भविष्य के लीडर्स को समर्थन देने का प्रतीक बना। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, सैमसंग में नवाचार हमारे हर काम की बुनियाद है। सैमसंग ई.डी.जी.ई. कार्यक्रम ने कई सालों से विद्यार्थियों को सशक्त बनाते हुए उन्हें अपनी रचनात्मकता और इनोवेटिव आइडियाज दिखाने का मंच दिया है। इस साल की जबरदस्त भागीदारी और उत्साह देखकर हम बेहद खुश हैं। यह प्रेरणादायक है कि इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और कैंपसों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। खासतौर से युवाओं में नवाचार और समस्याओं को हल करने की उनकी लगन देखकर काफी अच्छा लगा। इस साल एक्सएलआरआई जमशेदपुरकी टीमआरएसपीने राष्ट्रीय विजेता का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने उपभोक्ताओं से जुड़ाव बढ़ाने के लिए अपनी अनूठी रणनीति के जरिए जूरी का दिल जीत लिया। टीम ने ब्रांड मैस्कॉट्स, जियो-टारगेटिंग, जेन एमजेड हॉटस्पॉट टैगिंग और मॉल एक्टिवेशन जैसे इनोवेटिव तरीकों का सुझाव दिया। इन विचारों का मकसद उपभोक्ताओं के साथ मजबूत जुड़ाव बनाना और उन्हें स्थानीय व व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से जोड़ना था।टीम के सदस्यों प्रांजलि भाटिया, सिद्धार्थ द्विवेदी और रोहन भारद्वाज को ?4.5 लाख का नकद पुरस्कार, सैमसंग के फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स और प्री-प्लेसमेंट ऑफर्स से सम्मानित किया गया।

## हंगामा ओटीटी में रायपुर के अपूर्व डेगन की शॉर्ट फिल्म फैमिली बॉय, इंस्टेंट लोन...

**रायपुर ।** अपूर्व डेगन एक प्रतिभाशाली और मेहनती कलाकार हैं, जो अपने अलग अंदाज़ और मंझे हुए अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उनका पारिवारिक बैकग्राउंड डॉक्टरों का है, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को साकार करने अभिनय कि दुनिया में कदम रखा है। अपूर्व के लिए कला सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि एक जुनून है। उनकी दो लघु फिल्में, इंस्टेंट लोन और फैमिली बॉय, 4 और 5 दिसंबर 2024 को, ओटीटी प्लेटफार्म हंगामा पर रिलीज हो गई है, जो उनकी अभिनय यात्रा के लिए एक नया मोड़ है। ये कहानियां ना सिर्फ मनोरंजन प्रदान करती हैं,बल्कि सामाजिक संदेश भी देती हैं।

अपूर्व डेगन का रायपुर छत्तीसगढ़ में रहना होता है उनके परिवार में सभी डॉक्टर हैं पर अपूर्व बायोलॉजी में पढ़ाई करें और विदेश में मेडिकल के कॉलेज में एडमिशन मिला पर उन्होंने, एक्टिंग फील्ड चुना, पहले एएएफ्टी रायपुर से एक्टिंग की पढ़ाई की फिर अपने दोस्तों के साथ मिल कर एक शॉर्ट फिल्म बनाना चालू किया जहां उनको साई आसरा फिल्म एंटरटेनमेंट नाम का यूट्यूब चैनल चालू किया जिसमें शॉर्ट फिल्म बनाके अपलोड किया अनहोनी बहुत सी शॉर्ट फिल्म में अवॉर्ड जीता फिर मुंबई की तरफरूख किया।

**कार्यालय अधीक्षण अभियंता,**
**लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)**

**निविदा सूचना**

**(प्रथम आमंत्रण)**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| एन. आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत रू. (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 180/162322 | S.R., M.O.W. DEPOSIT AND OTHER WORKS AT H.C.M. HOUSE AND OTHER MINISTER VIP BANGLOW CIVIL LINE SHANKAR NAGAR RAIPUR (HEAD QTR. SECTION NO.-1) UNDER SUB DIVISION-1, RAIPUR (C.G.) | रू. 25.00 लाख |
| 181/162323 | S.R., M.O.W. AND OTHER DEPOSIT WORKS FOR NURSING HOSTEL (NEWLY ALLOTED TO TAHSIL OFFICE) D.K.S. CAMPUS AND OTHER NON RESIDENCIAL BUILDING IN OLD MANTRALAY SECTION UNDER SUB DIVISION - 1, RAIPUR (C.G.) | रू. 25.00 लाख |
| 182/162324 | WHITE WASHING, COLOURING & PAINTING WORKS IN MEN'S ITI BUILDING, HOSTEL BUILDING, WORKSHOP BUILDING & WOMEN'S ITI BUILDING UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION NO.-2 - RAIPUR (C.G.) | रू. 27.00 लाख |
| 183/162325 | S.R., M.O.W. DEPOSIT AND OTHER WORK AT C-3 BANGLOW CIVIL LINE RAIPUR UNDER SUB DIVISION-1, RAIPUR (C.G.) | रू. 25.00 लाख |
| 184/162327 | BITUMINIOUS WORK AT BHAVNA NAGAR, SHREE RAM NAGAR AND KHAMADIH INTRANAL ROAD 1-4.0KM (ACTUAL LENGTH 9.3 KM) RAIPUR | रू. 199.31 लाख |

**निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 25.12.2024 समय सायं 5:30 बजे तक**

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि रायपुर मण्डल क्र.-1
रायपुर (छ.ग

G-242504371/3

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 07 दिसम्बर 2024

## जिले में कई स्थानों में अवैध धान पर कार्रवाई

**रायपुर (विसं)।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध धान पर कार्रवाई निरंतर जारी है। ग्राम बरबन्दा में अवैध धान पर कार्रवाई की गई है। 25 क्विंटल अवैध धान के साथ जितेंद्र पटेल के पास से मिला है। जिसकी कीमत 57, 500 रूपए है। इसी तरह ग्राम पथरी में कुन्ज बिहारी वर्मा के पास से 25 क्विंटल अवैध धान मिला। जिसकी कीमत 57500 है। साथ ही, ग्राम गोड़ी में धान 20 क्विंटल अवैध जब्त किया है। जिसकी कीमत 46000 रूपए है।



# रायपुर शहर में प्रथम बार आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संयम कीर्ति स्तम्भ का लोकार्पण समारोह श्री पद्मप्रभ जिनालय लाभाण्डी में सम्पन्न हुआ

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** आज प्रात: श्री पद्मप्रभ जिनालय लाभाण्डी में मूलनायक 1008 श्री पद्मप्रभ भगवान के जिनालय में अभिषेक व शांतिधारा करने का सौभाग्य श्री बिपिन क्षेत्रपाल्या जी को प्राप्त हुआ, पाण्डुकशीला पर 1008 श्री चंद्रप्रभ भगवान को विराजमान करने का सौभाग्य श्री विनोद बड़जात्या जी को प्राप्त हुआ।

मुनिश्री 108 आगम सागर जी महाराज के पावन मुखारविन्द से बीजाक्षर युक्त मन्त्रों से शांतिधारा का पठन हुआ, शांतिधारा का सौभाग्य श्री सुमित पांड्या, श्री जितेंद्र गदिया, श्री दीपक अग्रवाल व अभिनन्दन संजय साइंटिस्ट परिवार को प्राप्त हुआ, श्रीजी की आरती हुई, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं विराजमान मुनि संघ को अर्घ समर्पित किया गया।

लोकार्पण समारोह में मुनिश्री के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्रीमती जूली एवं श्री जीतेन्द्र गदिया जी को प्राप्त हुआ, समाज के वरिष्ठ सदस्यों व लाभाण्डी मन्दिर जी के पंच कल्याणक में भगवान के मातापिता बनने का सौभाग्य प्राप्त करने वाले श्रीमान- श्रीमती आनंद डेरी परिवार दुर्ग वालों को माँ जिनवाणी मुनि संघ के कर कमलों में भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

स्थानीय मंदिर समिति के पदाधिकारीगण व समाज के वरिष्ठ व बाहर से आये अथितिगणों ने मुनि संघ के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया, एलक 105 श्री धैर्य सागर जी, मुनि द्वय 108 आगम सागर जी व पुनीत सागर जी ने प्रवचन में गुरु की महिमा व जीवन में गुरु का महत्व बताया तथा संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्या सागर जी महामुनिराज के अविस्मरणीय संस्मरण सुनाये और जीवन में दान का महत्व बताया।

छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में आचार्य श्रीजी की समाधि होने से जीवन पर्यंत छत्तीसगढ़ अमर होने की बात कही मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने कहा की आपके भाग्य में होगा तो आपकी चंचला लक्ष्मी का उपयोग धर्म के कार्य में हो पाएगा अन्यथा व्यर्थ में ही धन चला जाएगा।

छत्तीसगढ़ के समाधि स्थल चंद्रगिरी में दिनांक 1 फरवरी से 6 फरवरी तक होने वाले सिद्धचक्र महामंडल विधान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए विधान में बैठकर पुण्यार्जन करने वाले पुण्यशाली पात्रों का चयन किया गया।

### संयम कीर्ति स्तम्भ का लोकार्पण

आचार्य श्री समय सागर जी के आशीर्वाद से रायपुर शहर में प्रथम बार आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संयम कीर्ति स्तम्भ का लोकार्पण समारोह श्री पद्मप्रभ जिनालय लाभाण्डी में संपन्न हुआ यह कीर्ति स्तंभ श्री हनुमान प्रसाद, राजकुमार, विनोद कुमार, दिलीप कुमार बड़जात्या एवं श्री पद्मप्रभ भक्त परिवार के अति विशिष्ट सहयोग से निर्मित राजधानी रायपुर का प्रथम संयम कीर्ति स्तम्भ के लोकार्पण में आज मुनि श्री 108 आगम सागर जी, पुनीत सागर जी व एलक 105 धैर्य सागर जी के सानिध्य में ब्रह्मचारी अंकित भैया के मुख से मन्त्रोंचार व बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविका इस पुण्य अवसर के साक्षी बने, जैन धर्म में जिस प्रकार मानस्तम्भ के दर्शन अपने मान अभिमान को गलन करने में सहायक होते है उसी प्रकार ये संयम कीर्ति स्तम्भ के दर्शन हमारे जीवन में संयम धारण करने में सहायक होंगे और संयम ही वीतराग मार्ग प्रशस्त करने की एक अहम् कड़ी है,

कार्यक्रम के समापन समारोह में श्री पद्मप्रभ भक्त परिवार के मुखिया श्री विनोद बड़जात्या जी ने उपस्थित सभी अथितियों का आभार प्रगट किया, मुनि संघ की आहार चर्या का सौभाग्य श्री विनोद बड़जात्या परिवार, श्री मनसू पाटोदी परिवार व श्री दीपक अग्रवाल परिवार को प्राप्त हुआ, श्री पद्मप्रभ भक्त परिवार की ओर से सभी को वात्सल्य भोज हेतु आमंत्रित किया गया। **-अरविंद जैन**

### सिद्धचक्र विधान की पत्रिका का विमोचन

1 फरवरी से 6 फरवरी तक आयोजित होने वाले विधान की पत्रिका का विमोचन रायपुर शहर के मंदिरों के पदाधिकारी व गणमान्य अथितियों के द्वारा किया गया।

# रहेजा ग्रुप द्वारा कचना में रहेजा निर्वाणा के तीसरे फेज का शुभारंभ किया गया

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रहेजा निर्वाणा के फेज़1 और 2 के बाद यह तीसरा फेज है जिसका शुभारंभ किया गया। इस प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा आकर्षण यहाँ का मिनी वाटर पार्क है। जिसे बच्चों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। राजधानी रायपुर में पहली बार किसी रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट में वाटर पार्क जैसी फैसिलिटी लाई दी जा रही है। इसके साथ ही निर्वाणा के तीसरे सीजन में जिम, स्विमिंग पूल, योगा गार्डन, लैंडस्कैप्ड गार्डन्स जैसी अनेक सुविधाएं मौजूद हैं जो इस प्रोजेक्ट को सबसे खास बनाती हैं। लॉन्चिंग की शुरुआत रहेजा ग्रुप के संस्थापक श्री प्रकाश रहेजा, डायरेक्टर श्री दीपक रहेजा और श्री संजय रहेजा जी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ की। इस अवसर पर रियल एस्टेट सेक्टर के अनेक लोग और रहेजा ग्रुप के अनेक ग्राहक मौजूद रहे। निर्वाणा के तीसरे फेज के लॉंचिंग में लोगों का शानदार प्रतिसाद मिला। प्रोजेक्ट की शुभारंभ में अनेक लोगों ने साइट विजिट कर प्रोजेक्ट की खूबियों की सराहना की। लोगों ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यहाँ की सुविधाओं के साथ ही प्राकृतिक वातावरण की शांति का अहसास है। लाँचिंग के अवसर पर रहेजा निर्वाणा में श्री राम मंदिर की प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया। जिससे रहेजा निर्वाणा 3 का शुभारंभ भक्तिमय हो गया। ग्राहकों ने मंदिर परिसर की सुंदरता और भव्यता की प्रशंसा की। रहेजा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय रहेजा ने बताया कि यह लांचिंग कार्यक्रम तीन दिनों तक चलने वाला है जिसमें बुकिंग करने पर ग्राहकों को निश्चित उपहार प्रदान किया जा रहा है। रहेजा ग्रुप सदैव अपने सभी प्रोजेक्ट्स को शानदार क्वालिटी के साथ निर्धारित समयसीमा के पहले ही डिलिवर करता आया है। हमें रहेजा निर्वाणा के पहले और दूसरे फेज में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला इसी के चलते हम तीसरा फेज लेकर आए हैं और जो सुविधाएं यहाँ हम दे रहे हैं, वह निश्चित ही रायपुर में पहली बार मिल रही है। इसलिए हमें यहाँ भी शानदार रिस्पॉन्स मिलने का पूरा विश्वास है।

# राँची रेल मंडल एवं ईस्ट कोस्ट रेल्वे के खुर्दा रेल मण्डल में ट्रैफिक कम पावर ब्लाक का कार्य, कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है 7 इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व रेलवे के राँची रेल मंडल एवं ईस्ट कोस्ट रेल्वे के खुर्दा रेल मण्डल में ट्राफिक कम पावर ब्लॉक लिया जाएगा। राँची रेल मंडल में यह कार्य के लिए दिनांक 12 से 26 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा एवं ईस्ट कोस्ट रेल्वे के खुर्दा रेल मण्डल में दिनांक 07 से 08 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार है-

**परिवर्तन मार्ग से चलने वाली गाड़ियां-** दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 को गाडी संख्या 07255 हैदराबाद-पटना स्पेशल परिवर्तन मार्ग राऊरकेला-सिनी-चांडिल-मूरी-कोटशिला होकर चलेगी। 21 दिसम्बर 2024 को गाडी संख्या 13425 मालदा-सूरत एक्सप्रेस परिवर्तन मार्ग राऊरकेला-सिनी-चांडिल-मूरी-कोटशिला होकर चलेगी। 17 दिसम्बर 2024 को गाडी संख्या 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद एक्सप्रेस परिवर्तन मार्ग राऊरकेला-सिनी-चांडिल-मूरी-कोटशिला होकर चलेगी।

**देरी से चलने वाली गाड़ी-** दिनांक 08 दिसम्बर 2024 को गाडी संख्या 22910 पूरी-वलसाड एक्सप्रेस पूरी से 04 घंटे 50 मिनिट देरी से रवाना होगी। रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए ऐसे विकास कार्यों के लिए सहयोग की आशा करती है।